पौष कृष्ण पक्ष छष्टमी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 157 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल

10 दिसंबर 2025 बुधवार

आज का मौसम

26.8 अधिकतम

6.8 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

# दोपहर मेट्रो

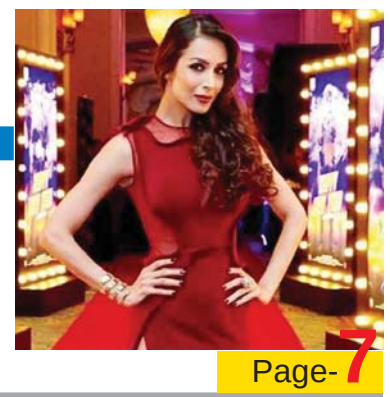

Page-7

## न्यूज विंडो

### शशि थरूर ने ठुकराया 'वीर सावरकर अवॉर्ड'

**नई दिल्ली, एजेंसी।** कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने 'वीर सावरकर इंटरनेशनल इम्पैक्ट अवॉर्ड' को ठुकरा दिया है। दरअसल, वीर सावरकर इंटरनेशनल इम्पैक्ट अवॉर्ड 2025 जिन छह हस्तियों को दिया जाएगा, उनमें एक नाम तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस नेता शशि थरूर का भी शामिल है। लेकिन, थरूर ने स्पष्ट रूप से कहा है कि वह यह अवॉर्ड लेने नहीं जा रहे हैं। वीर सावरकर इंटरनेशनल इम्पैक्ट अवॉर्ड 2025 पर शशि थरूर ने आज मीडिया से कहा, 'मुझे कुछ नहीं मिल रहा है। मैंने कल ही इसके बारे में सुना और मैं नहीं जा रहा हूं।' उल्लेखनीय है कि अपनी ही पार्टी की लाइन के खिलाफ बयानों के कारण थरूर चर्चा में बने रहते हैं।

### मेहुल चोकसी की याचिका खारिज, भारत आना होगा

**ब्रुसेल्स, एजेंसी।** बेल्जियम के उच्चतम न्यायालय ने प्रत्यर्पण के खिलाफ भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी की अपील खारिज कर दी है। इसी के साथ मेहुल चोकसी के भारत प्रत्यर्पण का रास्ता साफ हो गया है। मेहुल चोकसी पिछले कई वर्षों से भारतीय सुरक्षा एजेंसियों को चकमा दे रहा है। वह हर बार अलग देश में जाकर छिपने की कोशिश करता है। हालांकि, भारतीय एजेंसियां लगातार उस पर नजर बनाई हुई हैं। मेहुल चोकसी के पास एंटीगुआ और बारबुडा की नागरिकता है। वह वर्तमान में बेल्जियम के एंटवर्प जेल में कैद है।

### शाहजहांपुर से पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर गिरफ्तार

**शाहजहांपुर, एजेंसी।** पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर को शाहजहांपुर रेलवे स्टेशन से देर रात गिरफ्तार कर लिया गया है। उनकी गिरफ्तारी लखनऊ से दिल्ली जाते समय हुई है। रात करीब एक बजे लखनऊ सुपरफास्ट एक्सप्रेस से लखनऊ क्राइम ब्रॉन्च और देवरिया पुलिस ने गिरफ्तार किया। बताया जा रहा है कि कुछ लोग सिविल ड्रेस में आए और लखनऊ सुपरफास्ट ट्रेन में लोगों से पूछताछ की। इसके बाद अमिताभ ठाकुर को साथ लेकर चले गए। अमिताभ ठाकुर की ये गिरफ्तारी देवारिया में दर्ज किसी पुराने मुकदमे हुई है।

### अनूपपुर में किसान और नौकरानी की हत्या

**अनूपपुर, एजेंसी।** एक घर में किसान और नौकरानी के शव मिले हैं। किसान की पत्नी गंभीर हालत में मिली। तीनों के सिर और चेहरे पर धारदार हथियार से वार किए गए हैं। घटना बुधवार सुबह लखनपुर गांव की है। जानकारी के अनुसार, किसान के बेटे ने सबसे पहले घर में खून से लथपथ शव देखे। इसके बाद कोतवाली पुलिस को सूचना दी। मृतकों की पहचान राजेंद्र उर्फ बबलू पटेल (40) और सीमा बैगा (25) के रूप में हुई है। राजेंद्र पटेल की पत्नी रूपा पटेल (38) गंभीर रूप से घायल है। सीमा राजेंद्र के घर में काम करती थी। घटना स्थल पर पुलिस टीम मौजूद है और डॉग स्क्वायड को भी बुलाया गया है।

### सूरत के टेक्सटाइल मार्केट में लगी भीषण आग

**सूरत, एजेंसी।** गुजरात के सूरत की टेक्सटाइल मार्केट में भीषण आग लग गई है। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंच गई हैं। आग बुझाने का कार्य जारी है।

### आज का कार्टून

## यात्रियों के लिए समस्या बनी इंडिगो, डीजीसीए भी जांच के दायरे में

# संकट में दूसरी एयरलाइंस ने टिकट के दाम कैसे बढ़ाए, जवाब दे सरकार : कोर्ट

### उड्डयन मंत्री ने कहा- लापरवाही जानबूझकर किए जाने के संकेत, इंडिगो के सीईओ हो सकते हैं बर्खास्त

**नईदिल्ली, एजेंसी**

दिल्ली हाई कोर्ट ने इंडिगो की लगातार फ्लाइट कैंसिलेशन और देरी की बढ़ती घटनाओं को गंभीर संकट बताते हुए केंद्र सरकार से सवाल किया है कि आखिर हालात इस कदर कैसे बिगड़ गए। सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने कहा कि इंडिगो की उड़ानें रद्द होने से न सिर्फ यात्रियों को परेशानी और उत्पीड़न का सामना करना पड़ा, बल्कि इससे अर्थव्यवस्था को भी नुकसान हो रहा है। अदालत ने सवाल उठाया कि जब इंडिगो की फ्लाइटें बंद थीं, तो अन्य एयरलाइंस ने मौके का फायदा उठाते हुए टिकटों के दाम क्यों बढ़ा दिए? कोर्ट ने साफ शब्दों में पूछा कि ऐसी स्थिति में दूसरी एयरलाइंस के दाम बढ़ाने को कैसे जायज ठहराया जा सकता है। सरकार की ओर से कोर्ट को बताया गया कि इस मामले में कानूनी प्रक्रिया पूरी तरह लागू है और इंडिगो को शो-कॉज नोटिस जारी किया जा चुका है। केंद्र ने कहा कि एयरलाइन ने अपनी गलती के लिए माफी भी मांगी है और स्थिति सुधारने का आश्वासन दिया है।

उधर इस मामले में इंडिगो संकट को लेकर डीजीसीए भी केंद्र सरकार की जांच के रडार पर है। नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने कहा है कि इंडिगो की गड़बड़ी पर सिर्फ एयरलाइन ही नहीं, बल्कि डीजीसीएके कामकाज की भी जांच होगी। मंत्री ने यात्रियों को हुई परेशानी के लिए माफी मांगी और कहा कि जिम्मेदार लोगों पर कड़ी और उचित कार्रवाई की जाएगी। मंत्री ने कहा कि इंडिगो का यह बड़ा फेलियर सामान्य गलती नहीं लगता, बल्कि इसमें जानबूझकर हुई लापरवाही के संकेत मिल रहे हैं। उन्होंने बताया कि सरकार यह जांच कर रही है कि आखिर ऐसा संकट उसी समय क्यों आया और ऑपरेशंस होने के बावजूद हालात कैसे बिगड़े। सीईओ को हटाने के सवाल पर नायडू ने कहा कि जरूरत पड़ी तो जरूर हटाया जाएगा। जो भी कानूनी कार्रवाई बनती है, वह जरूर होगी।

### एयरलाइन का मार्केट कैप 21 हजार करोड़ तक घटा

इस संकट के नौवें दिन भी यात्रियों की परेशानी दूर होने का नाम नहीं ले रही है। देश के तीन बड़े एयरपोर्ट दिल्ली, अहमदाबाद और मुंबई पर इंडिगो एयरलाइंस के फ्लाइट कैंसिलेशन और देरी के कारण यात्रियों की मुश्किलें लगातार बढ़ रही हैं। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से मिली तस्वीरों में दिखाई देता है कि बड़ी संख्या में यात्री घंटों से फंसे हुए हैं। कई उड़ानें अचानक रद्द होने या लंबे समय तक विलंब से चलने के कारण लोग एयरपोर्ट पर ही बैठकर इंतजार करने को मजबूर हैं। कुछ यात्रियों ने खाने-पीने और जानकारी न मिलने की शिकायत भी की है।ऐसे में भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन सबसे कठिन दौर से गुजर रही है। रोजाना लगभग 2300 फ्लाइट्स ऑपरेट करने वाली और घरेलू एविएशन मार्केट में 60 फीसदी से भी अधिक हिस्सेदारी रखने वाली इस एयरलाइन का मार्केट कैप मौजूदा संकट के बाद करीब 21,000 करोड़ रुपये तक घट चुका है।

## गोवा नाइट क्लब अग्निकांड

# बिजनेस पार्टनर अजय गुप्ता बोला- मालिक जिम्मेदार

### थाईलैंड भागे लूथरा अग्रिम जमानत की कोशिश में

**पणजी, एजेंसी**

गोवा नाइट क्लब अग्निकांड के मामले में गोवा पुलिस ने आरोपी सह-मालिक अजय गुप्ता को नई दिल्ली से हिरासत में लिया है। उसके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया गया था। गिरफ्तारी के बाद अजय गुप्ता का पहला बयान सामने आया है। गुप्ता ने कहा, 'मैं तो बस एक साझेदार (पार्टनर) हूं। मुझे कुछ नहीं पता।' इस बीच, नाइट क्लब के मालिक गौरव लूथरा और सौरभ लूथरा ने अग्रिम जमानत के लिए दिल्ली की रोहिणी अदालत में याचिका दायर की है। इस मामले की आज सुनवाई होगी। गोवा के रोमियो लेन स्थित बिर्क नाइट क्लब में भीषण आग लगने से 25 लोगों की मौत हो गई थी। इस नाइट क्लब के सह-मालिक अजय गुप्ता ने लापरवाही का सारा दोष क्लब के मालिकों सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा पर डाला है। गोवा पुलिस ने शुरू में बताया था कि लूथरा बंधु अग्निकांड के कुछ ही घंटों के अंदर भारत छोड़कर थाईलैंड फरार हो गए हैं।पुलिस ने फरार लूथरा भाइयों को लाने के लिए कोशिशें शुरू की हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, थाईलैंड भागे दोनों भाइयों को लाने के लिए पुलिस ने इंटरपोल से मदद मांगी है। पुलिस इन दोनों आरोपियों के खिलाफ ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी करवाना चाहती है, जिससे इन्हें भारत लाने में आसानी हो। घटना में 25 लोगों की जान गई थी। सबसे आखिरी में निकलने वाले क्लब के 20 स्टाफ सदस्य और पांच पर्यटक थे। पुलिस ने शुरुआती जांच में बताया कि आग की वजह सिलेंडर विस्फोट हो सकता है। यह आग देर रात करीब पौने बारह बजे लगी थी। चश्मदीदों के बयानों और आगे जांच से सामने आया कि आग की वजह इलेक्ट्रिक पटाखे भी हो सकते हैं।

अजय गुप्ता

# बेटियों पर अभद्र टिप्पणी मामले में अनिरुद्धाचार्य के खिलाफ याचिका मंजूर, चलेगा मुकदमा

**नईदिल्ली, एजेंसी**

महिलाओं पर अभद्र टिप्पणी के मामले में प्रसिद्ध कथावाचक अनिरुद्धाचार्य की मुश्किलें बढ़ गई हैं। इस मामले को लेकर मथुरा के न्यायालय में उनके खिलाफ परिवाद (शिकायत) दर्ज की गई थी। अखिल भारत हिंदू महासभा आगरा की जिलाध्यक्ष मीरा राठौर द्वारा दायर की गई इस याचिका को अदालत ने सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया है। अब अदालत इस मामले में 1 जनवरी को बयान दर्ज करेगी। यह मामला अक्टूबर में शुरू हुआ था। अनिरुद्धाचार्य का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। अनिरुद्धाचार्य इस वीडियो में बेटियों और महिलाओं के संबंध में कथित अभद्र और आपत्तिजनक टिप्पणियां की थीं। वीडियो के वायरल होते ही इस पर देश भर में काफी हंगामा मचा था और कई सामाजिक एवं महिला संगठनों ने कड़ी आपत्ति दर्ज कराई थी। विवाद बढ़ने के बाद कथावाचक ने सफाई देते हुए कहा था कि वह महिलाओं का सम्मान करते हैं, लेकिन उनके बयान को तोड़मरोड़ कर पेश किया गया है। अनिरुद्धाचार्य के वायरल बयान को गंभीरता से लेते हुए अखिल भारत हिंदू महासभा की आगरा की जिलाध्यक्ष मीरा राठौर ने उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का फैसला किया। अधिवक्ता मनीष गुप्ता के अनुसार सुनवाई के बाद सीजेएम कोर्ट ने इस परिवाद को दर्ज कर लिया है। उन्होंने परिवाद दर्ज होने को अपनी बड़ी सफलता बताया है। अधिवक्ता ने बताया कि इस मामले में अब अगली सुनवाई 1 जनवरी को होगी। उस दिन अदालत में वादी मीरा राठौर के बयान दर्ज किए जाएंगे। कोर्ट द्वारा परिवाद स्वीकार किए जाने से कथावाचक अनिरुद्धाचार्य की कानूनी उलझनें बढ़ गई हैं और उन्हें अब इस मामले में कानूनी प्रक्रिया का सामना करना पड़ेगा।

## तिरुपति मंदिर में सिल्क की जगह पॉलिएस्टर के चढ़ाए दुपट्टे

### लड्डू के बाद हुआ एक और घोटाला

**चेन्नई, एजेंसी।** आंध्र प्रदेश के तिरुमला तिरुपति देवस्थानम मंदिर में लड्डू घोटाले के बाद अब एक और बड़ा घोटाला सामने आया है। ट्रस्ट का आरोप है कि 2015 से 2025 तक भक्तों-दानदाताओं को दिए जाने वाले पवित्र रेशमी (सिल्क) दुपट्टे असल में पूरी तरह पॉलिएस्टर के थे। प्रसिद्ध तिरुमाला मंदिर का संचालन करने वाले ट्रस्ट ने अब आरोप लगाया है कि पिछले एक दशक में रेशमी दुपट्टे बेचने वाली एक फर्म ने उन्हें करोड़ों रुपये का चूना लगाया है। नियम के अनुसार, हर दुपट्टे में शुद्ध शहतूत रेशम और रेशम होलोग्राम होना अनिवार्य था, लेकिन सप्लायर ने सस्ता पॉलिएस्टर थोपकर करीब 55 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की। फर्म ने शुद्ध शहतूत रेशम के बजाय, 2015 से 2025 तक तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) को पॉलिएस्टर के दुपट्टे बेचे। चेयरमैन बीआर नायडू की अध्यक्षता में बोर्ड ने पूरा मामला आंध्र प्रदेश एंटी-करप्शन ब्यूरो को सौंप दिया है। दुपट्टे की जांच के लिए गोदाम और मंदिर परिसर से सैंपल लिए। इसके बाद बेंगलुरु व धर्मवरम की सेंट्रल सिल्क बोर्ड लैब में टेस्ट कराया गया। जांच के दौरान दोनों ही रिपोर्ट में इस बात की पुष्टि हुई है कि सारे दुपट्टे पॉलिएस्टर के हैं।

## बालाघाट से ड्यूटी कर मुरैना लौट रही थी टीम

# सागर में पुलिस वैन-कंटेनर की भिड़ंत में चार जवानों की मौत

**सागर, एजेंसी**

सागर के पास नेशनल हाईवे-44 पर आज सुबह एक भीषण सड़क हादसा हो गया। यहां तेज रफ्तार कंटेनर और पुलिस के वाहन में आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसे में पुलिस वाहन में सवार 4 जवानों की मौत हो गई, जबकि एक जवान गंभीर रूप से घायल है। वहीं, टीम में शामिल डॉग सुरक्षित है। जानकारी के अनुसार मुरैना जिले का बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड बालाघाट में ड्यूटी पर तैनात था। वहां से वे बीडीडीएस वाहन में सवार होकर वापस मुरैना लौट रहे थे। नेशनल हाईवे पर बांदरी के पास झिंझनी घाटी पर सामने से आ रहे कंटेनर से पुलिस वाहन की भिड़ंत हो गई।

### वाहन काटकर निकाले शव

कंटेनर और पुलिस वाहन की टक्कर इतनी भीषण थी कि ड्राइवर और जवान गाड़ी के अंदर ही फंस गए। पुलिस वाहन आगे से पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। जेसीबी की मदद से वाहन काटकर शवों को बाहर निकाला गया। इसके बाद शवों का पंचनामा बनाकर बांदरी अस्पताल भेजा गया। मृतकों की पहचान जवान प्रद्युमन दीक्षित, अमन कौरव और ड्राइवर परमलाल तोमर (तीनों मुरैना निवासी) के रूप में हुई है। वहीं, चौथे मृतक डॉग मास्टर विनोद शर्मा भिंड के निवासी थे।

### भिंड के पास ट्रैक्टर-ट्राली नहर में गिरी, तीन की मौत

भिंड के लहार थाना अंतर्गत नानपुरा गांव के पास टूटी पड़ी पुलिया से गुजरते समय ट्रैक्टर-ट्राली अनियंत्रित होकर नहर में गिर गई। हादसे में ट्रैक्टर के नीचे दबने से 3 किसानों की मौके पर ही मौत हो गई। तीनों किसान उत्तर प्रदेश में धान बेचकर अपने गांव लौट रहे थे। घटना रात करीब 10 बजे की है। मृतकों की पहचान रावतपुरा सानी निवासी 80 वर्षीय झींगुरी सिंह राजपूत, 70 वर्षीय बलवीर सिंह राजपूत और 35 वर्षीय शिब्बू उर्फ शिवेंद्र सिंह राजपूत (35) के रूप में हुई है। तीनों किसान मंगलवार देर शाम यूपी से घर लौट रहे थे। रात करीब 10 बजे नानपुरा के पास टूटी पुलिया से ट्रैक्टर गुजर रहा था तभी अंधेरे में वाहन का संतुलन बिगड़ गया और वह सीधे नहर में पलट गया।

**मेट्रो एंकर** उत्तर प्रदेश की महिला ने दायर की थी याचिका, नाबालिग बेटी के नाम जमीन बेचने की मिली अनुमति

# हाईकोर्ट ने कहा- जमीनों के बढ़ते दाम की वजह से देशभर में सक्रिय है भू-माफिया, अपनी संपत्ति सुरक्षित रखना मुश्किल

**जबलपुर, एजेंसी**

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति हिमांशु जोशी की एकलपीठ ने जमीन की सुरक्षा से जुड़े मामले में एक अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि इन दिनों देश के सभी हिस्सों में भू-माफिया सक्रिय हैं। जमीन की कीमतें हर दिन नई ऊंचाइयों को छू रही हैं। ऐसे में व्यक्ति के लिए अपनी जमीन को सुरक्षित रखना भी बड़ी चुनौती है। इस मत के साथ कोर्ट ने कुछ शर्तों सहित एक मां को उसकी नाबालिग बेटी के नाम जमीन को बेचने की अनुमति दे दी है।

कोर्ट ने यह भी माना कि अपीलकर्ता अपनी जमीन से सैकड़ों मील दूर रहती है, उसके लिए जमीन की देखभाल के लिए नियमित रूप से उस स्थान पर जाना संभव नहीं है। कोर्ट ने अपीलकर्ता मां को निर्देश दिए कि जमीन को बेचने के बाद मिली राशि में से 50 प्रतिशत रकम नाबालिग के नाम राष्ट्रीयकृत बैंक में एफडी के रूप में जमा कराए जाएंगे। नाबालिग के वयस्क होने पर ही यह राशि आहरित की जा सकेगी।

### लोको पायलट पति ने शहडोल में खरीदी थी जमीन

उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में रहने वाली ज्योतिराज बालादास की ओर से अधिवक्ता योगेश सिंह बघेल व प्रवीण मिश्रा ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि याचिकाकर्ता के पति रेलवे में लोको पायलट थे। सेवा में रहने के दौरान 2022 में उनकी मृत्यु हो गई। उन्होंने जीवित रहते शहडोल के ग्राम सोखी में कुछ जमीन खरीदी थी। जमीन अपीलकर्ता और उसकी नाबालिग बेटी के नाम है। मृत्यु के बाद ज्योतिराज को अनुकंपा नियुक्ति मिल गई और वह उत्तर प्रदेश में ही बस गईं। अपीलकर्ता ने हिंदू अल्पसंख्यक और संरक्षकता अधिनियम, 1956 के तहत अधीनस्थ अदालत में उक्त जमीन बेचने की अनुमति मांगी थी। अधीनस्थ अदालत ने अनुमति देने से इन्कार कर दिया। लिहाजा, हाई कोर्ट में अपील दायर की गई। दलील दी गई कि अपीलकर्ता अपनी जमीन से 600 किलोमीटर दूर रहती हैं। उसकी जमीन पर भूमाफियाओं की नजर है। हाई कोर्ट ने मामले को गंभीरता से लेकर राहतकारी आदेश पारित कर दिया।

## राजधानी में प्रदूषण नियंत्रण की नई रणनीति

# सड़क किनारे पक्के होंगे कच्चे हिस्से, उड़ती धूल पर लगाम

**भोपाल, दोहपर मेट्रो**

राजधानी भोपाल में सड़कों से उड़ती धूल ने वायु प्रदूषण को चिंताजनक स्तर तक पहुंचा दिया है। बिगड़ते एयर क्वालिटी इंडेक्स को देखते हुए नगर निगम ने धूल नियंत्रण और प्रदूषण घटाने के लिए विस्तृत कार्य योजना तैयार की है। यह प्रस्ताव मंजूरी के लिए नगर निगम कमिश्नर को भेजा गया है, जिसके बाद टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाएगी। शहर में बड़ी संख्या में सड़क किनारे अब भी कच्चे हिस्से हैं। वाहनों की लगातार आवाजाही के कारण यहां जमी मिट्टी सड़क पर फैल जाती है और हवा में घुलकर प्रदूषण बढ़ाती है। इसके अलावा लगभग 1500 किलोमीटर सड़कों की हालत खराब है, जिससे दिनभर धूल के गुबार उठता रहता है।

नगर निगम की योजना के तहत सड़क किनारे के सभी कच्चे हिस्सों को पक्का किया जाएगा। इन स्थानों पर पैविंग ब्लॉक लगाए जाएंगे ताकि मिट्टी

और धूल दोबारा सड़क पर न पहुंचे। इसके साथ ही शहरभर में सड़क निर्माण से जुड़े गड्ढों को प्राथमिकता के आधार पर भरा जाएगा। प्रदूषण कम करने के लिए सेंट्रल वर्ज और साइड वर्ज पर हरियाली विकसित करने का भी प्रस्ताव है। सूखी और बंजर पट्टियों में गार्डनिंग की जाएगी, जिससे धूल उड़ने पर रोक लगेगी। रात के समय सड़कों, वृक्षों और डिवाइडरों पर पानी का नियमित छिड़काव भी योजना में शामिल है। नगर निगम की योजना शहर के प्रमुख चौराहों और सार्वजनिक स्थलों पर लगे सभी फाउंटेन को पूरी क्षमता से चालू रखने की है। इनसे वातावरण में नमी बनी रहेगी और हवा में धूल के कण नीचे बैठेंगे। इसके साथ ही ज्यादा प्रदूषित इलाकों में विशेष वॉटर स्प्रे सिस्टम चलाने पर भी विचार किया गया है।

### सीएस की बैठक के बाद बनी ठोस कार्ययोजना

अब तक नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम के तहत मिले फंड का प्रभावी उपयोग नहीं हो पाया था। हाल ही में मुख्य सचिव अनुराग जैन ने संबंधित विभागों की बैठक लेकर स्पष्ट निर्देश दिए थे कि समयबद्ध और दीर्घकालीन योजना बनाई जाए। इसके बाद नगर निगम ने प्रदूषण नियंत्रण को लेकर यह एक्शन प्लान तैयार किया है। नगर निगम के अधिकारियों के अनुसार सभी विभागों से जुड़े कार्यों को समन्वय के साथ लागू किया जाएगा। बजट स्वीकृति मिलते ही टेंडर जारी कर जमीनी स्तर पर काम शुरू किया जाएगा। पिछले छह वर्षों में केंद्र सरकार से मिले 242 करोड़ रुपये में से अधिकांश राशि खर्च हो चुकी है, इसके बावजूद भोपाल के पीएम-10 स्तर में नाममात्र की ही कमी आई है। इसी अनुभव के चलते निगम इस बार निगरानी, टाइमलाइन और जिम्मेदारी तय करते हुए योजना लागू करने की बात कर रहा है। बढ़ते प्रदूषण के बीच नगर निगम की यह नई रणनीति भोपाल की हवा को कितनी राहत दे पाती है, यह आने वाले महीनों में साफ होगा।

# बेटी के अपमान पर कार्रवाई करने में इतना विलंब क्यों हो रहा है : नायक

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

संतोष वर्मा ने दिया था विवादित बयान।

वर्ष 2020 अक्टूबर या नवंबर का महीना था। मंत्रालयीन कर्मचारी संघ द्वारा दीपावली मिलन का कार्यक्रम रखा गया। तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान मुख्य अतिथि थे। उनका कार्यक्रम था इसलिए समूचे आयोजन की मिनट टू मिनट रूपरेखा पहले से ही तैयार थी। अचानक मुख्यमंत्री उठ गये। हम लोग घबरा गये कि क्या हुआ? वे माइक के पास जाकर बोले सबसे पहले हम बेटी का पूजन करेंगे। उन्होंने सामने बैठी मेरी बेटी को बुलाया, कुर्सी पर बिठाया और उसकी पूजा की। फिर उन्होंने घोषणा की कि हर सरकारी आयोजन बेटियों की पूजा से प्रारंभ होगा। 24 दिसंबर 2020 को इसका विधिवत आदेश भी जारी हो गया। हमारे मंत्रालय संगठन को इस बात का गर्व है कि बेटियों के पूजन की शुरुआत हमारे कार्यक्रम से ही हुई थी। सरकारी आयोजनों में बेटियों के पूजन की प्रथा शुरू हुई तो फिर इसका अनुसरण अशासकीय आयोजनों में भी होने लगा और चारों तरफ बेटियों के पूजन की प्राचीन संस्कृति पुनर्जीवित हो गयी। पूरे देश में मध्यप्रदेश पहला और संभवतः एकमात्र ऐसा राज्य था जहां सरकारी आयोजन बेटी पूजन से शुरू होते थे।बेटी पूजन, कन्या पूजन या कुमारी सेवा को हमारे सनातन धर्म में अति प्रभावकारी अनुष्ठान माना गया है। इसका फल तुरंत मिलने की बात कही गयी है। प्रातः स्मरणीय परम पूज्य महामहोपाध्याय पंडित गोपीनाथ कविराज के सद्गुरुदेव विशुद्धानंद महाराज तो कुमारी पूजन पर इतना अधिक बल देते थे कि उनके किसी शिष्य से कोई गलती हो जाने पर उसके प्रायश्चित के लिए कुमारी पूजन करने का आदेश देते थे।उनका कहना था कि समय-समय पर कन्या पूजन करते रहने से हमारे दैनंदिन जीवन की गलतियों त्रूटियों का परिमार्जन हो जाता है। मुझे इसी बात का दुख है कि जिस मध्यप्रदेश ने बेटी पूजन, लाड़ली लक्ष्मी, लाड़ली बहना जैसी योजनाओं के जरिए पूरे देश को नारी सम्मान की राह दिखाई उसी मध्यप्रदेश में बेटियों के बारे में इतनी गंदी टिप्पणी करने वाले एक अधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई होने में इतना अधिक समय लग रहा है।मुझे विश्वास है कि कार्यवाही तो होगी पर न्याय समय से मिल जाए तभी उसकी सार्थकता है। नारी सशक्तिकरण की हमारी सारी योजनाओं का बाद में अन्य सभी प्रदेशों ने अनुसरण किया था।हम चाहते हैं कि बेटियों के प्रति अपशब्दों के मामले में कार्रवाई करने में भी मेरा प्रदेश अग्रणी बने। मध्यप्रदेश में कड़ी कार्रवाई कर एक ऐसी नजीर कायम की जाए जिसका अनुसरण दूसरे प्रदेश भी करें।

# दुष्यन्त कुमार स्मारक पांडुलिपि संग्रहालय ने की अपने प्रतिष्ठित सम्मानों की घोषणा

### दुष्यन्त अलंकरण उदय प्रकाश दिल्ली, सुदीर्घ साहित्य साधना सम्मान कांति शुक्ला, भोपाल आंचलिक भाषा सम्मान बहादुर सिंह परमार, छतरपुर को मिलेगा

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

दुष्यन्त कुमार स्मारक पांडुलिपि संग्रहालय द्वारा प्रति वर्ष संग्रहालय का स्थापना पर्व 30 दिसम्बर को मनाया जाता है। जिसमें राष्ट्रीय दुष्यन्त अलंकरण, सुदीर्घ साहित्य साधना सम्मान और आंचलिक भाषा सम्मान प्रदान किये जाते हैं।इस वर्ष पर दुष्यन्त पर केंद्रित तीन दिवसीय आयोजन 28 से 30 दिसम्बर तक किया जायेगा। इस तीन दिवसीय आयोजन में दुष्यन्त के काव्य नाटक एक कण्ठ विषपायी का मंचन , अलंकरण समारोह और प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह और सहभागिता पत्र प्रदान किये जायेंगे।

दुष्यन्त कुमार स्मारक पांडुलिपि संग्रहालय की निदेशक करुणा राजुरकर ने बताया कि यह वर्ष दुष्यन्त की पुण्यतिथि का पचासवां वर्ष होने के कारण संग्रहालय ने जनवरी से दिसम्बर तक मासिक श्रंखला आयोजित की जिसमें जनवरी से नवम्बर तक ग्यारह श्रंखलाओं में दुष्यन्त के व्यक्तित्व - कृतित्व पर केन्द्रित आयोजन किये गये। प्रणाम दुष्यन्त की बारहवीं और अंतिम श्रंखला के रूप में तीन दिवसीय आयोजन किया जायेगा। जिसमें पहले दिन दुष्यन्त के काव्य नाटक एक कण्ठ विषपायी का मंचन,दूसरे दिन संग्रहालय द्वारा आयोजित श्रंखला के प्रतिभागियों को सहभागिता पत्र और स्मृति चिन्ह प्रदान किये जायेंगे।तीसरे और अंतिम दिन राष्ट्रीय दुष्यन्त अलंकरण, सुदीर्घ साहित्य साधना सम्मान और आंचलिक भाषा सम्मान प्रदान किये जायेंगे।

### देशभर से आए साहित्यकारों से सजी कार्यशाला

# बाल साहित्य को कहानी व नाटक से बढ़ाकर सभी विधाओं में विकसित करने की जरुरत है

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

आज बाल साहित्य को कहानी, कविता और नाटक से आगे बढ़ाकर सभी विधाओं में विकसित करने की आवश्यकता है। वक्ताओं ने बच्चों की कल्पनाशीलता, संवेदना, भाषा कौशल और बौद्धिक विकास को केन्द्र में रखकर नए और प्रासंगिक लेखन की आवश्यकता है।

यह बात हिंदी लेखिका संघ की बाल साहित्य कार्यशाला दुष्यंत कुमार स्मारक पांडुलिपि संग्रहालय में देशभर से आए साहित्यकारों ने एक स्वर में कही। कार्यक्रम में साहित्य अकादमी के निदेशक और वरिष्ठ बाल साहित्यकार डॉ. विकास दवे ने कहा कि हिंदी बाल साहित्य की परंपरा अत्यंत समृद्ध है, लेकिन यह मुख्यतः कविता, कहानी और नाटक तक सीमित है। बाल मनोविज्ञान, विज्ञान-लेखन, यात्रा-वृत्तांत, संस्मरण, जीवनी, हास्य-विनोद और अन्य विधाओं में भी रचनात्मक कार्य की आवश्यकता है। संस्था अध्यक्ष डॉ. साधना गंगराड़े ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि बाल साहित्य एक बीज की तरह है, जिसे यदि बाल-मन की गीली मिट्टी में बोया जाए तो भविष्य एक सुंदर बगिया बनकर विकसित होता है. उन्होंने कहा कि बाल साहित्य बच्चे के व्यक्तित्व, भाषा, विचार और मनोवैज्ञानिक विकास की पहली पाठशाला है। उन्होंने कहा कि बाल साहित्यकार को अपनी कल्पनाओं की खिड़की पूरी तरह खोलनी चाहिए और लेखन केवल सामान्य बच्चों तक सीमित न होकर मूक-बधिर व दिव्यांग बच्चों के लिए भी होना चाहिए। बाल साहित्य को आनंददायक बनाना महत्वपूर्ण है। इसलिए लेखिकाओं का दायित्व है कि वे बाल मन को सही दिशा देने वाला संवेदनशील, मूल्यनिष्ठ और आनंददायक साहित्य रचें. प्रथम सत्र में जबलपुर की बाल साहित्यकार डॉ. मंजरी शुक्ला ने कहा कि कहानियां बच्चे को कल्पना लोक की यात्रा कराती हैं, जहां परियां जादूगर, बोलने वाले पशु-पक्षी और उड़ने वाले ड्रैगन उसकी संवेदनाओं को विकसित करते हैं. उन्होंने कहा कि बाल साहित्यकार को बच्चों के मानसिक स्तर तक उतरकर लिखना जरूरी है, क्योंकि बच्चा प्रेम और संवाद को बिना किसी पूर्वाग्रह के अपनाता है. बाल साहित्यकार सुशील शुक्ला ने कहा कि भारत में अच्छा बाल साहित्य लिखा गया है, लेकिन मराठी, बांग्ला और मलयालम जैसी भाषाओं में इस दिशा में अत्यंत उल्लेखनीय काम हुआ है. उन्होंने सुधा चौहान, उपेंद्रनाथ अश्क और विभूति भौमिक की रचनाओं का संदर्भ देते हुए कहा कि बच्चों को समझने के लिए उनके साथ रहना और उनके परिवेश को जानना आवश्यक है। बच्चों को बताने के लिए बच्चों का अपना संसार ही पर्याप्त है। महेश सक्सेना ने कहा कि बाल साहित्य से लोरी लगभग गायब हो चुकी है, जबकि यह मां और शिशु के बीच सबसे कोमल संवाद है, जो बच्चे के मन पर स्थायी प्रभाव छोड़ता है।

# आयुष यूजी की कई सीटें रह गई खाली

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

प्रदेश में साढ़े 4 हजार आयुष सीटें संचालित हैं, जबकि देशभर में इनकी संख्या 50 हजार से अधिक है। इसके बावजूद उम्मीदवारों की संख्या पर्याप्त नहीं रही, जिसके कारण सीटें खाली रह गईं। स्ट्रे वेकेंसी सेकंड राउण्ड में प्रवेश की अंतिम तिथि थी के बाद भी अपेक्षित दाखिले नहीं हो सके। भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, इंदौर, बुरहानपुर, उज्जैन और रीवा सहित प्रदेश के तिरसठ आयुष मेडिकल कॉलेज इस सत्र की काउंसलिंग प्रक्रिया में शामिल रहे। आयुष मेडिकल एसोसिएशन का मानना है कि उच्च कटऑफ पर्सेंटाइल भी कम दाखिले का प्रमुख कारण है। विशेषज्ञों का कहना है कि समस्या का समाधान तभी संभव है जब केंद्र स्तर पर कटऑफ में ढील दी जाए और काउंसलिंग का एक अतिरिक्त राउण्ड आयोजित किया जाए। लगातार आठ राउण्ड की काउंसलिंग के बाद भी सीटें रिक्त रहने से कॉलेज प्रबंधन और अभ्यर्थी दोनों चिंतित हैं। प्रदेश में आयुष यूजी की 1100 से अधिक सीटें स्ट्रे वेकेंसी के दूसरे राउंड के बाद भी नहीं भर सकीं. ऑल इंडिया कोटा और स्टेट कोटा के तीन तीन राउण्ड तथा स्ट्रे वेकेंसी के दो चरण पूरे होने के बावजूद आयुर्वेद होम्योपैथी और यूनानी कॉलेजों में बड़ी संख्या में सीटें रिक्त रहीं।

# राष्ट्रीय सिंधी कविता प्रतियोगिता के विजेताओं को टेबलेट मिले

**संतनगर, दोपहर मेट्रो।**

9वीं राष्ट्रीय सिंधी कविता प्रतियोगिता में सीनियर ग्रुप में प्रियांषी वासवानी ने प्रथम एवं जूनियर ग्रुप में दीपांषी बालानी ने ग्यारहवां स्थान प्राप्त किया। मंगलवार को संस्कार विद्यालय में दोनों को समाज सेविका आशा चांद द्वारा प्राप्त टेबलेट एवं स्मार्ट वॉच देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संस्था के सचिव बसंत चेलानी ने कहा कि मेहनत करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान इसलिए किया जाता है कि ताकि और विद्यार्थी भी इनसे प्रेरणा लेकर आने वाली इस तरह की प्रतियोगिताओं में भाग लें एवं अपने जीवन में सफलता हासिल करें। संस्था के कोषाध्यक्ष चन्दर नागदेव, विद्यालय के प्राचार्य आर. के. मिश्रा, प्रधानाचार्या मृदुला गौतम, कोर्डिनेटर सीमा शर्मा, मोन्टेसरी इन्चार्ज प्रियांषी आडवानी एवं समस्त षिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद रहे। विद्यालय की परंपरा अनुसार मंगलवार को सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया गया।

### गौहर महल में राष्ट्रीय हस्तशिल्प सप्ताह के तहत सम्मान समारोह

# हस्तशिल्प की पहचान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ी

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

मध्यप्रदेश के हस्तशिल्प की राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान लगातार बढ़ रही है। प्रदेश की कलाकृतियां अब दिल्ली स्थित दूतावासों तक भी भेजी जा रही हैं और चीन के दूतावास में भी मध्यप्रदेश के शिल्पों की प्रदर्शनी लगाई जा रही है। यह बात अपर मुख्य सचिव केसी गुप्ता ने गौहर महल में राष्ट्रीय हस्तशिल्प सप्ताह के तहत सम्मान समारोह में आयोजित कार्यक्रम के दौरान कहा। उन्होंने कहा कार्यक्रम ने प्रदेश की शिल्प परंपरा को नई ऊर्जा दी और विभिन्न अंचलों से आए शिल्पियों के कौशल को मंच मिला। आयोजन भारत सरकार के हस्तशिल्प और वस्त्र मंत्रालय तथा प्रदेश के हाथकरघा और हस्तशिल्प विभाग द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम में शिल्पियों के योगदान को राज्य की सांस्कृतिक धरोहर का महत्वपूर्ण आधार बताया गया। इस दौरान में जरी, गोंड पेंटिंग, ब्लॉक प्रिंट, लकड़ी के खिलौने, जूट और कॉटन, सिरेमिक और हैंड बटिक जैसे

क्षेत्रों में काम करने वाले 50 से अधिक शिल्पियों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर हस्तशिल्प निगम के प्रबंध संचालक और आयुक्त हाथकरघा मदन विभीषण नागर गोजे सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। वहीं एमएलबी कॉलेज की नृत्य विभाग की छात्राओं ने डॉ. विजया शर्मा के निर्देशन में कथक की मनोहारी प्रस्तुतियां दीं। शिव-वंदना से आरंभ होकर कृष्ण-भक्ति और राम-केंद्रित गीतों पर आधारित नृत्य-शृंखला ने दर्शकों को भक्ति, भाव और लय के अद्भुत संसार में पहुंचाया। घुंघरुओं की मधुर झंकार और घूमरों की लय-लहरियों ने गौहर महल की दीवारों में नृत्य की एक नई रोशनी भर दी।

# नई तकनीक बच्चों को पढ़ाई में पूर्णता प्रदान करती है...

**भोपाल।** दिव्यांग बच्चों की शैक्षणिक एवं तकनीकी प्रगति के उद्देश्य को लेकर नवजीवन सेवा समिति व माता महालक्ष्मी अन्न क्षेत्र समिति के तत्वावधान में विशेष कार्यक्रम हुआ। समिति अध्यक्ष सत्येंद्र अग्रवाल व नवनीत अग्रवाल ने 10 दृष्टि बाधित बच्चों को अत्याधुनिक ज्योति एआई प्रो किट व12 श्रवण बाधित बच्चों को पढ़ाई और संचार को सरल बनाने के लिए आधुनिक मोबाइल दिए। उन्होंने बताया कि नवीन तकनीक बच्चों को पढ़ाई तथा दैनिक कार्यों में पूर्णतः सक्षम बनाती है।


**पश्चिम मध्य रेल**

**खुली निविदा क्रमांक.:** GEM/2025/B/6966720

भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदा अनुभवी ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती हैं:- **कार्य का नाम:** 03 ईयर कोम्प्रेहेंसिव कोंट्रेक्ट फॉर क्लीनिंग, ब्रूमिंग, सेनिटेशन, डिसइन्फेक्शन ऑफ ऑल आफिस बिल्डिंग, आल लेवाटोरिस, ऑल रोड, ऑल शॉप फ्लोर एरिया, शेड्स, स्टोर वाड्र्स ईटीसी इंक्लूडिंग एडमिनिस्ट्रेटिव बिल्डिंग, सीएमटी लैब, कॉलोनी सब स्टेशन, आरपीएफ बैरक एंड कैंटीन। द वर्क शैल इंकलुड ईटेंसिव क्लीनिंग ऑफ शॉप शेड, शॉप फ्लोर/स्टोरेज एरिया इंक्लुडिंग कलेक्शन एंड सेग्रिगेशन ऑफ स्क्रेप टू नामिनेट बीन्स एंड इट्स ट्रांसपोर्टेशन फॉर डिस्पोसल टू नोमिनेटड प्लेस, गार्डन मेंटेनेंस एंड एक्सेस एंड हार्मफूल वेजिटेशन रिमुवल/कटिंग ऑफ ब्रांचेस ऑफ ट्री इन सीआरडबल्यूएस/भोपाल प्रिमाइसेस (आउट कम बेसिस कोंट्रेक्ट), **कार्य की लागत :** ₹4,88,41,578.30, **निविदा फॉर्म का मूल्य:** ₹0.00, **धरोहर राशि/ईएमडी राशि:** ₹3,94,210.00, **कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 36 माह, **ऑनलाइन निविदा बंद होने का दिनांक एवं समय:** 29.12.2025 को 20:00 बजे तक, **निविदा खुलने का दिनांक एवं समय:** 29.12.2025 को 20:30 बजे । **नोट:** निविदा तथा निविदा प्रारूप की विस्तृत जानकारी भारत सरकार की वेब साइट http://bidplus.gem.gov.in पर उपलब्ध है। (हस्ता.)

मुख्य कारखाना प्रबंधक
सडिपुका, निशातपुरा, प.म.रे., भोपाल

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर


## मेट्रो एंकर

### रवींद्र भवन में 'हाय मार डाला रे' नाटक का मंचन

# बातचीत से शुरू हुआ संवाद प्रेम में बदला

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

रवींद्र भवन में 'हाय मार डाला रे' नाटक की प्रस्तुति द बेक बेंचर्स मुंबई द्वारा दी गई। कहानी की शुरुआत बाबा पंजर की दुकान से होती है जहां साइकिल पंचर बनवाते हुए नायक और नायिका की मुलाकात होती है। ऑरेंज गोली खाने और हल्की बातचीत से शुरू हुआ संवाद धीरे-धीरे प्रेम में बदलता है। साइकिल संग चलने वाले छोटे छोटे दृश्यों ने दर्शकों को खूब आकर्षित किया। वहीं नाटक के दूसरे हिस्से में लेखक ने प्रेमी और प्रेमिका दोनों परिवारों के दृश्य को वास्तविकता से जोड़ने का प्रयास किया है। नाटक में प्रेम और पारिवारिक दबाव के बीच होने वाला संघर्ष बड़ी खूबसूरती से उभरते हुए दिखा। एक ओर मंच पर कलाकारों के सहज अभिनय ने पात्रों को जीवंत कर दिया। तो वहीं दूसरी ओर कलाकारों की चुटकुली बातों ने दर्शकों को खूब हंसाया। नाटक ने वर्तमान परिदृश्यों के कुछ विषयों को उकेरते हुए ये दिखाया कि हर प्रेम कहानी का अंत परियों वाली किताबों जैसा नहीं होता। कई बार सरल मुलाकातें कठिन मोड़ों तक पहुंच जाती हैं। जिसमें प्रेमी युगल के खिलाफ जाने वाले परिवारों को अपनी जान से भी हाथ धोना पड़ सकता है। नाटक के अंतिम दृश्यों ने दर्शकों को भावुक किया। साथ ही प्रेमी युगल की एक भयावह सोच को भी दिखाया। नाटक के अंत में दर्शकों ने प्रस्तुति को खूब सराहा और कलाकारों के ऊर्जा की प्रशंसा की। नाटक के कलाकारों का अभिनय दर्शकों को भावनाओं और हास्य के ऐसे सफर पर ले गया। जिसे सभी ने हंसते मुस्कुराते और भावुकता के साथ समझा।

# एडवांस्ड आइओटी प्रशिक्षण छात्राओं ने सीखा क्लाउड कंट्रोल

**संतनगर, दोपहर मेट्रो।**

गर्ल्स कॉलेज ने इंडआईज इन्फोटेक प्राइवेट लिमिटेड के साथ से दो दिवसीय एडवांस्ड इंटरनेट ऑफ थिंग्स आइओटी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें छात्राओं को आधुनिक आइओटी तकनीक और क्लाउड-आधारित सिस्टम में व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में आरडिनो क्लाउड का परिचय विषय पर एक गहन तकनीकी सत्र आयोजित किया गया, जिसका संचालन अतिथि वक्ता अभिज्ञानम गिरि ने किया। उन्होंने आरडिनो क्लाउड प्लेटफॉर्म की विस्तृत संरचना, प्रमुख विशेषताओं और उसके कार्यात्मक घटकों पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने यह भी समझाया कि कैसे यह प्लेटफॉर्म सुरक्षित रिमोट मॉनिटरिंग और स्मार्ट डिवाइस नियंत्रण को प्रभावी ढंग से सक्षम बनाता है। प्रशिक्षण में हैंड्स-ऑन लैब व लाइव डेमो के माध्यम से इंटरैक्टिव बनाया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने महिला सम्मेलन में आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

### प्रदर्शन रिपोर्ट भी देखी जाएगी

# भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चयन के बाद ही होगा मप्र में मंत्रिमंडल विस्तार

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

प्रदेश में मोहन सरकार के दो वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चाएं कई महीनों से हैं लेकिन अब यह माना जा रहा है कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के बाद ही विस्तार होगा। उल्लेखनीय होगा कि पार्टी अध्यक्ष नड्डा का कार्यकाल खत्म होने के बाद बढ़ाया जा चुका है। माना जा रहा है कि अगले साल जनवरी में ही नए अध्यक्ष का चयन हो पाएगा। पार्टी नेताओं का मानना है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के बाद ही मंत्रिमंडल का विस्तार होगा।

बता दें, छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव साय मंत्रिमंडल का एक विस्तार हो चुका है, इसके बाद से ही अनुमान लगाए जा रहे हैं कि मध्य प्रदेश में भी मोहन यादव अपनी टीम में फेरबदल करेंगे। कार्यकाल के दो वर्ष पूर्ण होने से पहले डा. मोहन यादव ने मंत्रियों के कामकाज को परखने के लिए विभागवार समीक्षा बैठकें भी कर ली हैं। इससे तैयार होने वाला रिपोर्ट कार्ड भी मंत्रिमंडल विस्तार में अहम भूमिका अदा करेगा।

### मंत्रिमंडल में चार पद रिक्त

मोहन कैबिनेट में फिलहाल चार पद रिक्त हैं। 35 सदस्य हो सकते हैं। अभी मुख्यमंत्री सहित 31 मंत्री हैं। पार्टी सूत्रों का कहना है कि कम से कम चार मंत्रियों को मंत्रिमंडल से बाहर भी किया जा सकता है। ऐसी स्थिति में कम से कम छह नए चेहरे मंत्रिमंडल में आ सकते हैं।

मंत्रिमंडल विस्तार के लिए मोहन यादव को केंद्रीय नेतृत्व से हरी झंडी लेनी होगी। पार्टी सूत्रों का कहना है कि केंद्रीय नेतृत्व ने मध्य प्रदेश के मंत्रियों के कार्य प्रदर्शन पर अलग- अलग एजेंसियों से रिपोर्ट कार्ड तैयार करवाया है। इसे भी आधार बनाया जाएगा। हालांकि केंद्रीय नेतृत्व मध्य प्रदेश के मंत्रियों के कामकाज को लेकर भारी नाराज है। तीन- चार मंत्रियों को छोड़ दिया जाए तो बाकी किसी भी मंत्री के विभाग में कोई कामकाज नहीं हो रहा है। उनकी विभाग पर पकड़ भी नहीं है।

### राष्ट्रीय जनजाति आयोग कराएगा विधायक संजय पाठक की जांच

# जबलपुर, उमरिया और सिवनी कलेक्टर देंगे आदिवासी के नाम पर जमीन खरीदी की रिपोर्ट

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

बीजेपी विधायक संजय पाठक की मुश्किलें बढ़ती जा रही है। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ने उनके विरुद्ध की गई शिकायत पर 5 जिलों के कलेक्टरों को आदिवासियों के नाम पर जमीन खरीदी करने के मामले की जांच करने को कहा है।

आयोग ने कहा है कि इसकी रिपोर्ट एक माह में आयोग को मिल जानी चाहिए अन्यथा आयोग समन जारी कर पांचों कलेक्टरों या उनके प्रतिनिधियों को तलब कर रिपोर्ट लेगा। उधर, कांग्रेस विधायक हीरालाल अलावा की शिकायत पर मुख्यमंत्री सचिवालय ने भी इस मामले की जांच के लिए लिखा है जिसके बाद जनजातीय कार्य विभाग ने संबंधित कलेक्टरों को पत्र भेजकर जांच कराने और कार्यवाही के निर्देश दिए हैं।

**कर्मचारियों के नाम खरीदी जमीन** राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ने 5 दिसंबर को पत्र लिखकर कटनी, जबलपुर, उमरिया, डिंडौरी और सिवनी के कलेक्टरों से कहा है कि प्रदेश के कटनी जिले के विजय राघवगढ़ विधानसभा के विधायक ने अपने अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियों के नाम पर जमीन खरीदी है। आयोग ने कहा है कि डिंडौरी , जबलपुर, उमरिया, कटनी और सिवनी जिलों में बैगा जनजाति के साथ धोखाधड़ी कर अरबों रुपए की बेनामी भूमि खरीदने का काम किया गया है। आयोग के समक्ष ऐसी शिकायत दिव्यांशु मिश्रा अंशु निवासी कटनी ने की है। इसे संज्ञान में लेते हुए आयोग ने यहां के कलेक्टरों से कहा है कि सभी कलेक्टर पत्र मिलने के बाद एक माह के भीतर प्रकरण में तथ्य और टिप्पणियां राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग को व्यक्तिगत रूप से या अन्य संचार माध्यमों से उपलब्ध कराएंगे। आयोग ने यह भी कहा है कि अगर तय समय में उत्तर नहीं मिलता है तो आयोग भारत के संविधान के अनुच्छेद 338 (क) के खंड 8 के अंतर्गत सिविल न्यायालय की शक्तियों का प्रयोग करते हुए कलेक्टर या उनके प्रतिनिधियों को आयोग के समक्ष उपस्थित होने के लिए समन जारी कर सकता है।

### सिर्फ डिंडौरी कलेक्टर ने दी रिपोर्ट, चार कलेक्टरों को चेतावनी

शिकायत कर्ता दिव्यांशु मिश्रा अंशु ने बताया कि आयोग को 15 सितंबर को आयोग को शिकायत की गई। इसके बाद आयोग के निर्देश पर डिंडौरी कलेक्टर ने जांच कर जानकारी भेज दी है लेकिन चार कलेक्टरों सिवनी, जबलपुर, कटनी और उमरिया कलेक्टर ने जानकारी नहीं दी है। इस पर आयोग ने उन्हें अंतिम चेतावनी दी है। दिव्यांशु ने अपनी शिकायत में कहा है कि कटनी जिले के चार आदिवासी कर्मचारियों के नाम पर संजय पाठक ने डिंडौरी जिले में 795 एकड़ जमीन बैगा आदिवासियों से धोखाधड़ी कर खरीदी है। यहां वे बाक्साइट खदानें स्वीकृत कराने की तैयारी में हैं। यह भूमि रघुराज सिंह गौड़, नत्थू कोल, राकेश सिंह गौड़ प्रहलाद कोल के नाम पर डिंडौरी जिले के बजाग तहसील के पिपरिया माल, बघरेली सानी, सरई टोला और हर्रा टोला में वर्ष 2025 के बाद से अब तक खरीदी गई है।

### मुख्यमंत्री से शिकायत कर चुके हैं कांग्रेस विधायक अलावा

कांग्रेस विधायक हीरालाल अलावा भी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से लिखित शिकायत कर चुके हैं। इसके बाद आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग ने कलेक्टर डिंडौरी को पत्र लिखकर आदिवासी जमीन की खरीद बिक्री की उच्च स्तरीय जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही के लिए लिखा है। अपर आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि डॉ. हीरालाल अलावा विधायक द्वारा मुख्यमंत्री को संबोधित पत्र में डिंडौरी जिले के बजाग तहसील में संरक्षित बैगा बहुल क्षेत्र की 1200 एकड़ आदिवासी जमीन बेनामी रूप से गरीब आदिवासियों के नाम पर खरीदे जाने की कम्प्लेन की है। इसकी जांच कर कार्यवाही के लिए मुख्यमंत्री सचिवालय ने भी चिट्ठी लिखी है।

### मप्र-महाराष्ट्र पुलिस को बड़ी सफलता

# 6 वर्षीय मासूम बालिका महाराष्ट्र से की बरामद

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

पुलिस की सतत मॉनिटरिंग और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर बैतूल पुलिस टीम ने महाराष्ट्र पुलिस के सहयोग से संयुक्त कार्रवाही कर महाराष्ट्र राज्य के ट्यूशा गांव (मोर्शी क्षेत्र) से 6 वर्षीय मासूम बालिका को सुरक्षित बरामद कर परिजनों के सुपुर्द किया। फरियादी ने 07 दिसंबर 2025 को सूचना दी कि उसकी बालिका घर के सामने खेल रही थी, तभी गांव का ही एक आदतन अपराधी उसे मोटरसाइकिल से ले गया। परिजनों द्वारा तलाश के बाद भी बालिका नहीं मिली। सूचना पर थाना कोतवाली में प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस महानिरीक्षक नर्मदापुरम जोन श्री मिथिलेश शुक्ला, उप पुलिस महानिरीक्षक नर्मदापुरम श्री प्रशांत खरे, पुलिस अधीक्षक बैतूल श्री वीरेंद्र जैन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती कमला जोशी ने स्वयं निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

### आरोपी पर दर्ज हैं कई संगीन मामले

शुरुआती जांच में अनिल कुशराम निवासी खड़का जामगांव, जिला अमरावती (महाराष्ट्र) पर शंका व्यक्त की गई, जो हाल ही में अमरावती जेल से पैरोल पर रिहा हुआ है। आरोपी के विरुद्ध पूर्व में हत्या, दुष्कर्म एवं चोरी जैसे गंभीर अपराध दर्ज हैं। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में मुलताई, आमला, आठनेर, बोरदेही एवं मासौद चौकी की पुलिस टीमों को तत्काल सक्रिय किया गया। आरोपी के महाराष्ट्र की ओर भागने की संभावना को देखते हुए महाराष्ट्र पुलिस को भी तुरंत सूचना दी गई और संयुक्त टीम गठित कर दी गई। संयुक्त सर्च ऑपरेशन में तकनीकी टीमों, मोबाइल लोकेशन ट्रैकिंग और सर्चिंग पार्टियों को सक्रिय किया गया। लगातार प्रयासों के परिणामस्वरूप आरोपी की लोकेशन महाराष्ट्र के मोर्शी क्षेत्र में ट्रेस हुई, जिसके बाद ट्यूशा गांव में बालिका को सुरक्षित दस्तयाब किया गया।

### जिला प्रशासन ने हटाया

# वक्फ संपत्ति बताकर 39 हजार वर्गफीट जमीन पर कब्जा, मदरसा-दुकान बनाए

**खंडवा, दोपहर मेट्रो**

मध्यप्रदेश के खंडवा जिले के ग्राम सिहाड़ा में वक्फ दरगाह पीर मोजा के आसपास की जमीन के बड़े हिस्से को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया है। यहां पहुंची जिला प्रशासन की टीम ने ग्राम पंचायत की शिकायत पर गांव में बनी दरगाह के आसपास से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की है। इसके बाद अब यहां मार्केट बनाकर उससे ग्राम पंचायत की आय बढ़ाने की बात कही जा रही है। बता दें कि, पिछले माह ही ग्राम पंचायत ने दरगाह के आसपास की जमीन पर से अतिक्रमण को हटाए जाने के लिए जिला प्रशासन को आवेदन दिया था। इसी दौरान स्थानीय वक्फ कमेटी ने भोपाल वक्फ ट्रिब्यूनल में गांव में बनी इस दरगाह, इमामबाड़ा और ईदगाह की संपत्ति को वक्फ की संपत्ति होने का दावा किया था। लेकिन यह पूरी सम्पत्तियां और गांव की संपत्ति एक ही रकबे में दर्ज होने के चलते इस पूरे गांव पर ही वक्फ की संपत्ति होने का दावा मान लिया गया था। इसके बाद इसको लेकर वक्फ ट्रिब्यूनल बोर्ड भोपाल में दोनों पक्षों को 10 नवंबर को सुनवाई के लिए बुलवाया था।

### ग्राम पंचायत की शिकायत पर की गई कार्रवाई

अतिक्रमण हटाने की इस कार्रवाई के दौरान मौजूद ग्राम पंचायत के सरपंच प्रतिनिधि हेमंत सिंह चौहान ने बताया कि इस स्थान पर ग्राम पंचायत द्वारा मार्केट बनाने का प्रस्ताव पारित किया गया है। लेकिन कुछ लोगों द्वारा इसे वक्फ संपत्ति बताकर इस पर निर्माण कार्य को रुकवाने की बात कही गई। इसको लेकर हमारी गुहार पर तहसीलदार साहब द्वारा जारी नोटिस के जवाब में वे लोग दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। वे लोग इसको लेकर भोपाल ट्रिब्यूनल में चले गए। इसके बाद हमने जिला प्रशासन को अतिक्रमण की शिकायत की थी, जिस पर आज कार्रवाई की जा रही है। अब आगे यहां मार्किट बनाकर उससे ग्राम पंचायत की आय बढ़ाने के उपाय किए जाएंगे। यहां गांव के मुस्लिम समाज के सामुदायिक भवन में एक मदरसा भी चल रहा था जोकि अवैद्ध रूप से संचालित होता था।

### स्कूल शिक्षा में डिजिटल इन्फ्रॉस्ट्रक्चर बढ़ाने पर दिया गया विशेष ध्यान

**भोपाल।** प्रदेश में स्कूल शिक्षा विभाग ने शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिये शिक्षकों को डिजिटल उपकरण प्रदान कर सक्षम बनाया है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में डिजिटल टेक्नोलॉजी के विकास और स्कूल के सभी स्तरों पर प्रौद्योगिकी के उभरते हुए भविष्य को देखते हुए डिजिटल इन्फ्रॉस्ट्रक्चर, ऑनलाइन शिक्षण मंच और उपकरणों की उपलब्धता की सिफारिश की गयी है। प्रदेश में प्राथमिक एवं माध्यमिक शासकीय विद्यालयों के 2 लाख 43 हजार शिक्षकों को टैबलेट प्रदान किये गये हैं। विभाग ने सरकारी हाई स्कूल और हायर सेकेण्डरी स्कूलों के 44 हजार शिक्षकों को भी टैबलेट उपलब्ध कराये हैं।

### सामाजिक सुरक्षा पेंशन में सेंधमारी, 7 आरोपियों पर एफआईआर दर्ज

# 212 निष्क्रिय बैंक खातों से निकाले 44 लाख

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के 212 हितग्राहियों के खाते में बैंक के ही दो कर्मचारियों ने सेंध लगा दी। हितग्राहियों के निष्क्रिय खातों को धोखाधड़ी कर उन्होंने सक्रिय कर लिया। इसके बाद इन खातों में जमा राशि में 44 लाख रुपये अपने परिचितों के खाते में स्थानांतरित कर दिए। बाद में यह राशि एटीएम व अन्य तरीके से निकाल ली गई। भोपाल में बैंक ऑफ इंडिया की 7 शाखाओं में पिछले तीन वर्ष के भीतर यह गड़बड़ी की गई है।

बैंक ऑफ इंडिया भोपाल जोन की शिकायत की जांच के बाद मध्य प्रदेश आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) ने बैंक के कर्मचारी दीपक जैन व अजय सिंह परिहार सहित सात आरोपितों के विरुद्ध मंगलवार को धोखाधड़ी, आपराधिक साजिश सहित विभिन्न धाराओं में प्रकरण कायम किया है।

ईओडब्ल्यू के अधिकारियों ने बताया कि गबन की राशि आरोपितों से वसूली जा चुकी है। वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन सहित कई योजनाओं की राशि इन खातों में जमा होती थी। इन योजनाओं में राशि एक हजार रुपये प्रतिमाह से भी कम है। दूसरा, कुछ हितग्राही बुजुर्ग या दिव्यांग हैं। इस कारण वह राशि नहीं निकाल रहे थे। इस तरह खातों में पांच से 10 हजार रुपये तक जमा हो गए थे। इन खातों में मोबाइल नंबर भी दर्ज नहीं थे। आरोपितों की लगा कि इन खातों की कोई पूछ परख नहीं हो रही है

### सात से अधिक बैंक शाखाओं के खातों में की गड़बड़ी

यह गड़बड़ी कैटेगराइज्ड मार्केट ब्रांच, हमीदिया रोड, एमपी नगर, भेल एरिया, प्रोफेसर्स कालोनी, सैफिया कॉलेज सहित सात से अधिक बैंक शाखाओं के खातों में की गई है। ईओडब्ल्यू ने दीपक जैन, अजय सिंह परिहार, खुशबू खान, अफरोज खान, ललिता ठाकुर, कल्पना जैन, हेमलता जैन तथा अन्य संभावित सह-आरोपित व्यक्तियों के विरुद्ध धोखाधड़ी, आपराधिक साजिश सहित आइपीसी की धाराओं के अंतर्गत प्रकरण कायम किया है। आरोपितों ने फिनैकल सिस्टम की अपनी लॉगिन आईडी तथा अन्य कर्मचारियों की आईडी का दुरुपयोग कर निष्क्रिय (डॉरमैंट) खातों को अवैध रूप से सक्रिय किया।

**मेट्रो एंकर** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मप्र के शिल्पकार बलदेव वाघमारे को किया सम्मानित

# मप्र की भरेवा शिल्प कला विरासत को मिली राष्ट्रीय पहचान

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

मध्यप्रदेश की पारंपरिक जनजातीय भरेवा शिल्प कला की विरासत को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को नई दिल्ली में मध्यप्रदेश के बैतूल जिले के भरेवा शिल्पकार श्री बलदेव वाघमारे को राष्ट्रीय हस्तशिल्प पुरस्कार से सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि हाल में भरेवा धातु शिल्प को जीआई टैग भी मिला है। केन्द्रीय वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह इस अवसर पर उपस्थित थे।

**क्या है भरेवा-** स्थानीय बोली में भरेवा का मतलब है भरने वाले। भरेवा कलाकार गोंड जनजाति की एक उप-जाति से संबंधित हैं, जो पूरे भारत में, खासकर मध्य भारत में फैली हुई है। धातु ढलाई का कौशल एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में हस्तांतरित होता रहता है।

भरेवा धातु शिल्प की परंपरा गोंड आदिवासी समुदाय के रीति-रिवाजों और परंपराओं के समानांतर चलती है। यह परंपरा और रीति-रिवाज का मिश्रण है। भरेवा कारीगर देवताओं की प्रतीकात्मक छवियों को गढ़ते हैं। वे गहने भी बनाते हैं जैसे अंगूठियां और कटार, जो गोंड परिवारों में शादी की रस्मों के लिए जरूरी है। कुछ गहने विशेष रूप से आध्यात्मिक प्रमुखों या तांत्रिकों के लिए बनाए जाते हैं जैसे कलाईबंद और बाजूबंद। कंगन की विशेष कारीगरी देखते ही बनती है।

इसके अलावा, सजावटी कलाकृतियों और उपयोग की वस्तुओं की एक विस्तृत श्रृंखला जैसे बैलगाड़ियां, मोर के आकार के दीपक, घंटियां और घुंघरु, दर्पण के फ्रेम कुछ कलाकृतियों ने अंतरराष्ट्रीय शिल्प बाजार में पहचान बनाई है।

### इन देवी-देवताओं की हैं मूर्तियां

भरेवा लोगों को गोंड समुदाय के धार्मिक रीति-रिवाजों और परंपराओं का गहरा ज्ञान है। वे जिन देवताओं की मूर्तियां बनाते हैं, उनमें मुख्य रूप से हिंदू धर्म के सर्वोच्च भगवान शिव और उनकी पत्नी पार्वती हैं। दूसरे हैं ठाकुर देव जो चमत्कारी घोड़े पर सवार होकर गांव की रक्षा करते हैं और माना जाता है कि वे इसे आपदाओं से बचाते हैं। शांति, समृद्धि, खुशी और स्वास्थ्य के दूसरे देवता भी हैं। इस छोटे से टिगरिया गांव में बलदेव भरेवा ने इस परंपरा को जिंदा रखा है। उन्होंने यह कला अपने पिता से सीखी। उन्होंने एक मास्टर कारीगर के तौर पर नाम कमाया। बलदेव का परिवार अपनी पारंपरिक समझ, कलात्मक नजर और कड़ी मेहनत से हासिल किए गए हुनर पर गुजारा करता है।

## कसौटियों पर खरे भारत - रूस संबंध

भारत और रूस के सम्बन्ध, तेजी से बदलते वैश्विक भू-राजनीतिक परिदृश्य और उन पर बढ़ते दबाव के बावजूद मैत्रीपूर्ण और सौहार्दपूर्ण बने हुए हैं। हालांकि कई अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर दोनों देशों की राय एक जैसी नहीं है। यूक्रेन युद्ध असहमति का सबसे नया मुद्दा है। फिर भी उनके संबंध समय की कसौटी पर खरे उतरे हैं। सम्बन्धो ने कई तूफानों का सामना किया है, और एक अनिश्चित और कठिन दुनिया में मजबूत बने हुए हैं। पिछले कुछ सालों में जुड़ाव के तरीके भले ही बदल गए हों, लेकिन भारत-रूस संबंध मजबूत और प्रभावशाली बने हुए हैं। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की हाल ही में संपन्न यात्रा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी मुलाकात में असाधारण सौहार्द और कई समझौतों पर हस्ताक्षर हुए, ने इस रिश्ते की अंतर्निहित ताकत को दिखाया। 23वें वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए उनकी यह यात्रा वैश्विक राजनीति में गहरे उथल-पुथल के बीच हुई, जिसमें यूक्रेन में जारी युद्ध और संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अप्रत्याशित टैरिफ हमलों का माहौल था। पुतिन की यात्रा के दौरान भारत के कुशल कूटनीतिक कौशल का प्रदर्शन हुआ, जिसमें बदलते गठबंधनों के जटिल भू-राजनीतिक परिदृश्य को प्रबंधित किया गया। इसमें अपनी रणनीतिक स्वायत्तता की रक्षा को मार्गदर्शक सिद्धांत के रूप में रखा गया। महत्वपूर्ण रूप से, यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद नई दिल्ली की अपनी पहली यात्रा पर पुतिन ने वादा किया है कि मॉस्को भारत को ईंधन की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए तैयार है, जो दुनिया में कच्चे तेल का तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है। भारत 2022 में यूक्रेन पर पूर्ण पैमाने पर आक्रमण के बाद से रूस से रियायती कीमतों पर बड़ी मात्रा में तेल खरीद रहा है। हालांकि, कुछ भारतीय फर्मों ने अमेरिकी प्रतिबंधों का पालन करने के लिए रूस से तेल आयात कम करना शुरू कर दिया है।

**मानवाधिकार दिवस विशेष**

# कागजों में सिमटे मानव अधिकारों की रक्षा के कानून, जागरूकता जरूरी

रमेश सर्राफ धमोरा
स्तंभकार

हम 10 दिसंबर को मानवाधिकारों का उत्सव मनाते है। उस दिन की स्मृति में जब संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1948 में मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा को अपनाया था। यह घोषणा हमारे समाजों के मानवाधिकार ढांचे की रीढ़ है, जहां हममें से प्रत्येक को बिना किसी भेदभाव के शांति और सुरक्षा के साथ रहने और फलने-फूलने का अधिकार है। 1950 में संयुक्त राष्ट्र ने हर वर्ष की 10 दिसम्बर को विश्व मानवाधिकार दिवस मनाना तय किया था। 75 वर्ष पहले पारित हुआ विश्व मानवाधिकार घोषणा पत्र एक मील का पत्थर हैं। जिसने समृद्धि, प्रतिष्ठा व शांतिपूर्ण सह अस्तित्व के प्रति मानव की आकांक्षा प्रतिबिंबित की है। आज यही घोषणा पत्र संयुक्त राष्ट्र संघ का एक बुनियादी भाग है। 10 दिसंबर 2025 को दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक प्रतिज्ञाओं में से एक मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा की 77वीं वर्षगांठ है । 2025 में मानवाधिकार दिवस की थीम हमारी रोजमर्रा की अनिवार्यताएं, तीन सरल सत्यों पर जोर देती हैं। मानवाधिकार सकारात्मक हैं, मानवाधिकार आवश्यक हैं, और मानवाधिकार प्राप्य हैं।

मानव अधिकार वे मूल अधिकार हैं जो इस धरती पर प्रत्येक व्यक्ति के पास हैं। मानवाधिकार मौलिक अधिकार और स्वतंत्रता हैं। मानवाधिकारों में जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार, गुलामी और यातना से मुक्ति, राय और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, काम और शिक्षा का अधिकार और बहुत कुछ शामिल हैं। बिना किसी भेदभाव के हर कोई इन अधिकारों का हकदार है। भारत का स्वतंत्रता आंदोलन मानवाधिकारों के लिए प्रेरणा का एक बड़ा स्रोत रहा है। कुछ अधिकार ऐसे होते है जो व्यक्ति को जन्मजात मिलते है। उन अधिकारों का व्यक्ति के आयु, प्रजातीय मूल, निवास-स्थान, भाषा, धर्म पर कोई असर नहीं पड़ता।

देश के विशाल आकार व विविधता तथा सम्प्रभुता सम्पन्न धर्म-निरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणतंत्र के रूप में इसकी प्रतिष्ठा तथा एक भूतपूर्व औपनिवेशिक राष्ट्र के रूप में इसके इतिहास के परिणामस्वरूप भारत में मानवाधिकारों की परिस्थिति एक प्रकार से जटिल हो गई है। भारत का संविधान मौलिक अधिकार प्रदान करता है जिसमें धर्म की स्वतंत्रता भी अंतर्भूक्त है। संविधान की धाराओं में बोलने की आजादी के साथ-साथ कार्यपालिका और न्यायपालिका का विभाजन तथा देश के अन्दर एवं बाहर आने-जाने की भी आजादी दी गई है। भारतीय परिदृश्य में यह समझ पाना थोड़ा मुश्किल हैकि क्या वाकई में मनुष्य के लिए चिन्हित किये गए मानवाधिकारों की सार्थकता है।

भारत में 28 सितम्बर 1993 से मानव अधिकार कानून अमल में आया। 12 अक्टूबर 1993 में सरकार ने राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग का गठन किया। आयोग के कार्यक्षेत्र में नागरिक और राजनीतिक के साथ आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकार भी आते हैं। जैसे बाल मजदूरी, स्वास्थ्य, भोजन, बाल विवाह, महिला अधिकार, हिरासत और मुठभेड़ में होने वाली मौत, अल्पसंख्यकों और अनुसूचित जाति और जनजाति के अधिकार। पूरे विश्व में इस बात को अनुभव किया गया है और इसीलिए मानवीय मूल्यों की अवहेलना होने पर वे सक्रिय हो जाते हैं। इसके लिए हमारे संविधान में भी उल्लेख किया गया है। संविधान के अनुच्छेद 14,15,16,17,19,20,21,23, 24,39,43,45 देश में मानवाधिकारों की रक्षा करने के सुनिश्चित हैं।

कहने में मानवाधिकार शब्द बहुत बड़ा है। क्योंकि मानवाधिकारो से हर व्यक्ति का हित जुड़ा होता है। आज के दौर में कोई भी मानव को उनके वास्तविक अधिकार नहीं देना चाहता है। राजनेता मानव अधिकार की बात तो जोरशोर से करते हैं। मगर जब अधिकार देने की बारी आती है तो पीछे खिसकने लगते हैं। राज नेताओं को पता है कि यदि लोगों को उनके अधिकार मिल गये तो तो उनकी नेतागिरी बन्द हो जायेगी। हमारे देश के संविधान में मानव को बहुत सारे अधिकार दिये गये हैं। मगर उन पर अमल नहीं हो पाता है। के लिये बनाये गये कानून महज कागजो में सिमट कर रह जाते हैं।

इतिहास गवाह है की भारत ने कभी भी संस्कृति, धर्म या अन्य कारकों के आधार पर दूसरों को अपने अधीन करने की कोशिश नहीं की है। भारत एक ऐसा देश है जिसके मूल में मानवाधिकार की अवधारणा है। भारत के लोग मानवाधिकारों का सम्मान करते हैं और उनकी रक्षा करने का संकल्प भी लेते हैं। भारत विश्व स्तर पर आज भी मानवाधिकार का समर्थन करता रहा है। मानवाधिकार दिवस की नींव विश्व युद्ध की विभीषिका से झुलस रहे लोगों के दर्द को समझ कर और उसको महसूस कर रखी गई थी। किसी भी इंसान की जिन्दगी, आजादी, बराबरी और सम्मान के अधिकार का नाम ही मानवाधिकार है। भारतीय संविधान इन अधिकारों की न सिर्फ गारंटी देता है, बल्कि इसे तोडने वाले को अदालत सजा भी देती है।

सरकार भी मानवाधिकारो का हनन रोक पाने में पूर्णतया सफल नहीं हो पा रही है। देश में आये दिन मानवाधिकार हनन की घटनायें घटित होती रहती है। मगर सरकारी स्तर पर शख्त कार्यवाही अमल में नहीं लायी जाती है। जिससे भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृति पर रोक लग सके। यह कितना दुर्भाग्यपूर्ण है कि तमाम प्रादेशिक, राष्ट्रीय और अन्तरर्राष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय सरकारी और गैर सरकारी मानवाधिकार संगठनों के बावजूद मानवाधिकारों का लगातार हनन होता रहता है।

**-यह लेखक के अपने विचार हैं।**

**गोवा नाइट क्लब हादसा**

# झुलसती संवेदनाएं और नाकाम होती व्यवस्था

ललित गर्ग
स्तंभकार

एक बार फिर एक भीषण आग ने 25 मासूम जिंदगियों को छीन लिया। गोवा के नाइट क्लब में हुई यह त्रासदी केवल आगजनी नहीं, बल्कि हमारे सिस्टम की जड़ता, गैर-जिम्मेदारी और नैतिक पतन की ज्वलंत मिसाल है। गोवा का जो नाइट क्लब आग की चपेट में आया, वह नियमों की अनदेखी करके तो चलाया ही जा रहा था, उसमें आग से बचाव के उपाय भी नहीं किए गए थे। रही-सही कसर इससे पूरी हो गई कि नाइट क्लब में आने और जाने का रास्ता बेहद संकरा था। आग की चपेट में आने वालों की संख्या इसलिए अधिक बढ़ गई, क्योंकि बचने के लिए उन्होंने जिस रास्ते को सुरक्षित समझा, वहां पहले से ही लोग फंसे हुए थे। इस तरह से आनंद और उत्सव का स्थल अचानक जीवन समाधि में बदल गया, वह अनेक सवाल हमारे सामने खड़े करता है, क्या हम सीखने की क्षमता खो चुके हैं? क्यों हर हादसे के बाद जांच समितियां बनती हैं, मुआवजा घोषित होता है, कुछ दिन हंगामा होता है और फिर सब कुछ पहले जैसा हो जाता है? पूर्व में मुंबई, दिल्ली, कोलकाता, सूरत और अनेक शहरों में समान दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। होटल, मॉल, थिएटर, अस्पताल, फैक्ट्री, कोचिंग सेंटर-लापरवाही की आग में झूलसनों वालों की संख्या बढ़ी है, लेकिन हमारी संवेदनशीलता का स्तर छोटा होता जा रहा है। आगजनी की घटनाओं का सिलसिला तो लगातार है, परंतु सुरक्षा मानकों के प्रति हमारी उदासीनता और घोर लापरवाही भी उतनी ही स्थायी है। यह बात स्पष्ट है कि हादसे किसी तकनीकी गलती का परिणाम भर नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार और राजनीतिक मिलीभगत की देन भी हैं।

गोवा अपनी पहचान पर्यटन से बनाता है। नाइट लाइफ, समुद्री तटों का आनंद, मनोरंजन गतिविधियां और विदेशी पर्यटक इसका स्वाभाविक आकर्षण हैं। ऐसे प्रदेश में इस प्रकार का हादसा केवल मानवीय त्रासदी नहीं, बल्कि छवि और अर्थव्यवस्था का गहरा नुकसान भी है। भारत की टूरिज्म इंडस्ट्री पहले ही प्रतिस्पर्धा और सुरक्षा को लेकर चुनौतियों से जूझ रही है। यह घटना विश्व के सामने एक सवाल बनकर खड़ी है-क्या भारत सुरक्षित पर्यटन देश है? क्या यहां गैर-जिम्मेदाराना ढांचे और भ्रष्ट तंत्र के बीच किसी का जीवन सुरक्षित रखा जा सकता है? इस प्रकार के हादसों में दो बड़े चरित्र सामने आते हैं-सरकार की सुस्ती और आयोजकों की लालचपूर्ण मानसिकता। अधिकांश नाइट क्लब, बार, पार्क या मनोरंजन स्थल ऐसे होते हैं जहां प्रवेश शुल्क, अवैध संचालन और आर्थिक लाभ का बड़ा खेल चलता है। इमारतों की मंजूरी, फायर सुरक्षा की अनुमति, बिजली के तारों का रखरखाव, निकास मार्ग-ये सभी चीजें फाइलों में तो दर्ज होती हैं, लेकिन जमीन पर गायब रहती हैं। प्रशासनिक अधिकारियों की सजगता की जगह 'संबंध' और 'सुविधा शुल्क' काम करता है। निरीक्षण के नाम पर औपचारिकता ढहती है और बीते हुए हादसे केवल याद बनकर रह जाते हैं। नाइट क्लब तक पहुंचने का रास्ता इतना संकरा है कि फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को 400 मीटर दूर खड़ा होना पड़ा। सजावट के लिए ताड़ के सूखे पत्तों का इस्तेमाल किया गया था, जिसने आग और भड़का दी। भीड़भाड़ वाली जगहों पर एंट्री से ज्यादा महत्वपूर्ण इमरजेंसी एग्जिट पॉइंट्स होते हैं, लेकिन इस क्लब में लगता है कि इसकी भी कोई व्यवस्था नहीं थी, जिससे कई लोग भटक कर किचन में पहुंच गए, जहां से बाहर निकलने का रास्ता नहीं था। यह नाइटक्लब बिना मंजूरी के चल रहा था। लोकल अथॉरिटी के मुताबिक, निर्माण अवैध था।

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि आखिर हम हादसों को नियति क्यों मान लेते हैं? हर घटना के बाद नेताओं के बयान आते हैं- 'दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा ', 'उच्च स्तरीय जांच की जाएगी ', 'मुआवजा दिया जाएगा ', लेकिन क्या कभी हमने दोषियों को सजा होते देखा है? कभी किसी अधिकारी को बर्खास्त होते देखा है? क्या किसी क्लब या होटल की अनुमति स्थायी रूप से रद्द की गई? जवाब अधिकतर 'नहीं' है। यही वह सत्य है जो बताता है कि हमारा समाज हादसे को दुख तो मानता है पर समस्या नहीं मानता।

हमारे नीति-नियंताओं को यह समझना होगा कि इस तरह की घटनाएं केवल जान-माल को ही क्षति नहीं पहुंचातीं, बल्कि देश की बदनामी भी कराती हैं। इस तरह की घटनाएं यही रेखांकित करती हैं कि नया और विकसित बनने के आकांक्षी भारत में नियम-कानूनों की हर स्तर पर उपेक्षा होती है और इस देश में जिम्मेदारी के साथ कोई काम मुश्किल से ही किया जाता है। मानकों और सुरक्षा उपायों की रेगुलर चेकिंग अथॉरिटीज की जिम्मेदारी है। बिना लाइसेंस चल रहे क्लब, होटल या रेस्तरां को बंद कराने के साथ यह जानना भी जरूरी है कि आखिर ये खुल कैसे जाते हैं और फिर कैसे धड़ल्ले से चलते रहते हैं। हमें यह मानना होगा कि जीवन की कीमत केवल शब्दों में नहीं, व्यवस्था में भी झलकनी चाहिए। जब तक हमारी नीतियों में कठोरता नहीं आएगी, जब तक भ्रष्टाचार की जड़ें नहीं काटी जाएंगी और जब तक नागरिक-केंद्रित शासन स्थापित नहीं होगा, तब तक मनोरंजन के नाम पर मौतें होती रहेंगी। गोवा का नाइट क्लब हादसा केवल आग नहीं-हमारे विवेक, शासन और मानवता की विफलता है। अब यह हमारे हाथ में है कि हम इसे भूलें या इसे परिवर्तन की शुरुआत बनाएं।

**-यह लेखक के अपने विचार हैं।**

## सुविचार

*आज आप जो दर्द महसूस करते हैं, वही कल आपकी ताकत बन जाएगा।*
*-अज्ञात*

## निशाना

### कवि जयकार तुम्हारी होती

मनोज जैन

कागद कोरे क्यों रँग डारे
बेमतलब के गीत तुम्हारे
तुम कहते हो इनको नायब
लय सुर ताल सभी हैं गायब
लाख कहो तुम तारणहारे
बेमतलब के गीत तुम्हारे
उलझ बिम्ब में मन भटका है
अर्थ प्रतीकों में अटका है
इनसे तो बेहतर हैं नारे
बेमतलब के गीत तुम्हारे
शक्ति नही अपनी पहचानी
नही कलम की ताक़त जानी
फिरते हो तुम मारे मारे
बेमतलब के गीत तुम्हारे
यदि यह बात विचारी होती
कवि जयकार तुम्हारी होती
जन-जन में जाते स्वीकारे
बेमतलब के गीत तुम्हारे
सत्यम शिवम सुंदरम होते
भावबोध में पुरनम होते
लगते हमें प्राण से प्यारे
बेमतलब के गीत तुम्हारे

**हेल्थ टिप्स**

# शरीर स्वस्थ रखने के साथ डिप्रेशन से भी बचाती है एक्सरसाइज, स्टडी में हुआ खुलासा

डिप्रेशन की जब भी बात आती है तो अधिकतर लोग इसे स्ट्रेस से जोड़कर देखते हैं लेकिन ये केवल तनाव नहीं है बल्कि इसमें व्यक्ति को लगातार उदासी की भावना बनी रहती है और उन एक्टिविटी से भी वो रुचि खो देते हैं, जिनसे कभी उन्हें बहुत खुशी मिलती थी। केवल इतना ही नहीं इससे आपको सोचने, याददाश्त, खाने और सोने में भी कठिनाई हो सकती है। डिप्रेशन का इलाज पूरी तरह से संभव है, डॉक्टर इसके लिए थेरेपी और दवाओं की मदद लेते हैं। इसके अलावा आप लाइफस्टाइल में कुछ सुधार करके भी खुद को स्ट्रेस फ्री रख सकते हैं, जिससे डिप्रेशन से छुटकारा पाने में मदद मिलती है।

अगर आप खुद से स्ट्रेस को हैंडल या मैनेज नहीं कर पा रहे हैं तो आपको एक्सपर्ट से सलाह जरूर लेनी चाहिए, क्योंकि वो सही मार्गदर्शन से आपको डिप्रेशन से छुटकारा पाने में मदद करते हैं। अवसाद से आप केवल दवाइयों या थेरेपी से ही निजात नहीं पा सकते हैं बल्कि इसके लिए आपको अपनी लाइफस्टाइल में कुछ जरूरी बदलाव करने पड़ते हैं, जैसे कि पर्याप्त नींद लेना, संतुलित आहार लेना, दोस्तों व परिवार के साथ समय बिताना, और नियमित व्यायाम करना आदि। इन सभी आदतों से आपको बेहतर महसूस होता है और अकेलेपन की भावना दूर होती है।

एक्सरसाइज करने से केवल शारीरिक स्वास्थ्य ही बेहतर नहीं होता है बल्कि इससे आपकी मेंटल हेल्थ भी दुरुस्त होती है। डेली व्यायाम करने से आपको एंग्जायटी और डिप्रेशन के लक्षणों को दूर करने में भी मदद मिलती है। जी हां, अमेरिकी हेल्थ एक्सपर्ट और पब्लिक फिगर मार्क हाइमन ने अपनी एक पोस्ट में एक स्टडी के हवाले से बताया कि डेली रूटीन में एक्सरसाइज शामिल करना आपको कई सारे बेनिफिट दे सकता है।

**क्या है स्टडी का निष्कर्ष?:** 128,119 प्रतिभागियों के साथ 1,000 से अधिक क्लिनिकल ट्रायल्स की 97 समीक्षाओं का विश्लेषण करने वाले शोध में पाया गया कि एक्सरसाइज एंग्जायटी और डिप्रेशन को कम करने के लिए अवसादरोधी दवाओं जितना ही प्रभावी है। कभी-कभी उनसे भी बेहतर काम कर सकता है। और ऐसा नहीं है कि आपको किसी एक स्पेसिफिक एक्सरसाइज को डेली करना है बल्कि सभी प्रकार की फिजिकल एक्टिविटी प्रभावी ढंग से मेंटल हेल्थ को बेहतर बनाने का काम करती है।

**टेक्नो अपडेट**

# टाटा बनाएगी कंप्यूटर-लैपटॉप की AI चिप घरेलू उत्पादन से घट सकती हैं कीमतें

**भारत** को चिप निर्माण के क्षेत्र में आगे बढ़ाते हुए टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स की ओर से एक बड़ी खबर आई है। दरअसल टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स दो बड़े चिप प्लांट के लिए इंटेल का पहला बड़ा ग्राहक बनेगा। इस खबर को भारत में चिप मैन्युफैक्चरिंग की शुरुआत के तौर पर देखा जा रहा है। इसके साथ ही दोनों कंपनियां भारतीय यूजर्स के लिए बड़े स्तर पर ढ्ढ चिप वाले कंप्यूटर बनाने की तैयारी में भी हैं।

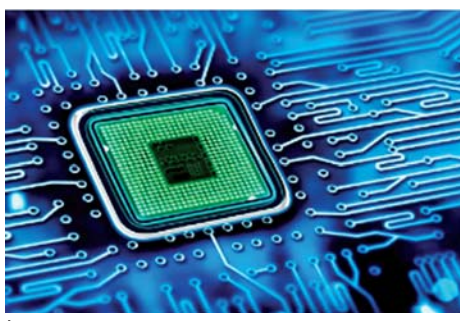

फिलहाल भारत में ज्यादातर चिप्स बाहर से ही आते हैं और अब सरकार के सेमीकंडक्टर मिशन और टाटा की नई फैक्ट्रियों की वजह से भारत खुद चिप निर्माण में आत्मनिर्भर बन सकता है। बता दें कि टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स गुजरात में एक बड़ी चिप बनाने की फैक्ट्री और असम में चिप असेंबली और टेस्टिंग का प्लांट बनाने की दिशा में काम कर रहा है। इन दोनों प्लांट्स की कीमत लगभग 14 बिलियन डॉलर है। इन फैक्ट्रियों में भविष्य में इंटेल अपने चिप्स पर काम करवाएगा। इसके लिए इंटेल अपनी ढ्ढ से जुड़ी डिजाइन टेक्नोलॉजी देगा और टाटा उन्हें बनाने का काम करेगा।

इससे समय के साथ भारत में चिप बनाना काफी आसान हो जाएगा। दुनियाभर में कई देश और कंपनियां चीन से बाहर अपनी सप्लाई चेन स्थापित करना चाह रहे है और यह भारत के लिए किसी मौके से कम साबित नहीं होगा। इस डील के बारे में इंटेल के ष्टश्वह्म लिप-बू टैन का कहना है कि भारत दुनिया का बड़ा कंप्यूटर बाजार बन रहा है। यहां खासकर एआई वाले कंप्यूटर्स की मांग तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में इस पार्टनरशिप से दोनों ही कंपनियों को फायदा होगा। वहीं इसे लेकर टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के ष्टश्वह्म रंधीर ठाकुर का कहना है कि ये पार्टनरशिप लोगों के लिए भी फायदेमंद साबित होगा क्योंकि इससे ग्राहकों को समय पर प्रोडक्ट मिलेंगे, लागत कम होगी और नई टेक्नोलॉजी बाजार में जल्दी आएगी।

भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स की भारी खपत के बावजूद चिप बनाने का काम अभी तक देश में नहीं होता था। इस स्थिति में बदलाव लाने के लिए सरकार की ओर से इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन शुरू किया गया था। इसके तहत फिलहाल 10 से ज्यादा प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी जा चुकी है। टाटा और इंटेल की पार्टनरशिप से इन दोनों कंपनियों के साथ-साथ देश और सरकार के मिशन को भी फायदा होगा। इसकी वजह से आने वाले समय में भारत टॉप 5 कंप्यूटर बाजारों में शामिल हो सकता है।

**अजब - गजब**

# साध्वी बन गई पूर्व ब्यूटी क्वीन, 'भगवान' को मानती है पति, उनके लिए ही करती है मेकअप

**एक** ओर जहां दुनियाभर में लोग ग्लैमर, प्रसिद्धि और धन-दौलत के पीछे भाग रहे हैं, वहीं दूसरी ओर कुछ लोग ऐसे भी हैं जो इन सबसे दूर एक आध्यात्मिक और सादगी भरा जीवन चुनते हैं। ऐसी ही एक असाधारण और प्रेरणादायक कहानी सामने आई है ब्राजील से, जहां एक युवा ब्यूटी क्वीन और सफल मॉडल ने रैंप की चकाचौंध भरी दुनिया छोड़कर सादे सफेद वस्त्र पहन लिए और साध्वी (Nun) बनकर अपना जीवन ईश्वर की सेवा में समर्पित कर दिया। इस हसीना का नाम कामिला रोड्रिग्स कार्डोसो है, जो अपने भगवान जीसस क्राइस्ट को ही अपना पति मानती है। उनके लिए ही सजती-संवरती है। इस पूर्व सुंदरी का कहना है कि वह आज भी मेकअप करती है और अपना ख्याल रखती है, लेकिन अब यह घमंड या दिखावे के लिए नहीं है। वह कहती हैं कि वह जीसस को अपना सबसे बेहतर रूप अर्पित करना चाहती हैं।

21 वर्षीय कामिला तब सुर्खियों में आईं, जब धार्मिक वस्तुएं बेचते हुए उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। स्थानीय लोगों ने उन्हें 'मॉडल नन' कहा और वो आस्था, त्याग और आध्यात्मिक परिवर्तन का एक उदाहरण बन गईं। ब्राजील के रियो डी जनेरियो के उत्तर में मिनास गैरैस में जन्मीं कामिला ने 18 की उम्र में ही कैटवॉक छोड़ दिया था। उन्होंने मिस कॉन्टिनेंट टीन सोल नासिएंट का ताज जीता और उनका मॉडलिंग करियर काफी बेहतर था। उन्होंने कई ब्यूटी पेजेंट्स में भाग लिया था और उन्हें शो बिजनेस में जाने के लिए ऑफर भी मिले थे। लेकिन उन्होंने अपने करियर, घर और अपनी पिछली पहचान को त्याग दिया और सैनक्टा देई जेनेट्रिक्स मंडली में शामिल हो गईं, जो कैथोलिक चर्चका एक स्वतंत्र समुदाय है।

**कामिला से बनीं सिस्टर ईवा!:** कामिला को अब सिस्टर ईवा के नाम से जाना जाता है। सोशल मीडिया पर भी लोग इन्हें बेहद पसंद करते हैं, जहां इनके लाखों फॉलोवर्स हैं. कामिला ने अपनी मंडली के इंस्टाग्राम फॉलोअर्स को भी 341,000 तक बढ़ाने में मदद की है। उनका धार्मिक आदेश अपने सदस्यों को सोशल मीडिया पर सक्रिय रहने और नई तकनीकी उपकरणों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। सिस्टर ईवा ने बताया कि जब वह केवल नौ साल की थीं, तब पिता की मौत के बाद उनका झुकाव भगवान की ओर हुआ। इसके बाद वो मॉडलिंग करने लगीं, लेकिन उनका भावनात्मक खालीपन नहीं भर पाया और किशोरावस्था में वह चिंता और अवसाद से घिर गईं। फिर चर्च में उन्होंने एक नन को 'विशेष प्रकाश' बिखेरते देखा। फिर उन्होंने नन बनने का फैसला किया। इस ब्राजीलियाई नन को सोशल मीडिया पर शादी के प्रस्ताव भी आते हैं, लेकिन वह अपने 'पति' जीसस के प्रति पूरी तरह से समर्पित हैं।

## न्यूज विंडो

### चित्रगुप्त वंशीय परिसंघ की कार्यकारिणी का गठन, कृष्णा बने मीडिया संयोजक

**गंजबासौदा।** संपूर्ण विश्व के कायस्थ समाज के संगठन वैश्विक चित्रगुप्त वंशीय परिसंघ भारत ने अपनी नवीन कार्यकारिणी मध्यप्रदेश में गठित की है। जिसमें वैश्विक चित्रगुप्तवंशीय परिसंघ मध्यप्रदेश की कार्यकारिणी में राजेन्द्र सक्सेना को प्रदेश प्रमुख का दायित्व दिया गया है। वहीं वरिष्ठ पत्रकार समाजसेवी कृष्णा सक्सेना को प्रदेश संयोजक मीडिया प्रकोष्ठ बनाया गया है। राजेश सक्सेना निपानिया प्रदेश सह प्रमुख का दायित्व निभाएंगे। डा. पंकज खरे को प्रदेश संयोजक चिकित्सा विभाग, लाला शुभम सक्सेना को व्यापार प्रकोष्ठ प्रदेश सयोंजक बनाया गया। परिसंघ मध्यप्रदेश की कार्यकारिणी गठित होने पर कायस्थ समाज में हर्ष का माहौल है। नगर के कृष्णा सक्सेना को समाज बंधुओं ने शुभकामनाएं दी हैं।

### राजिंदर को पार्लियामेंट्री स्टैंडिंग कमेटी के लिए किया नॉमिनेट

**नर्मदापुरम।** ट्राइडेंट ग्रुप के फाउंडर और चेयरमैन एमेरिटस एवं पंजाब से राज्यसभा मेंबर राजिंदर गुप्ता को लेबर, टेक्सटाइल और स्किल डेवलपमेंट पर पार्लियामेंट्री स्टैंडिंग कमिटी के लिए नॉमिनेट किया गया है। यह एक अहम पैनल है जो जरूरी इकोनॉमिक सेक्टर में पॉलिसी और सुधारों की देखरेख करता है। राजिंदर गुप्ता–ट्राइडेंट ग्रुप के फाउंडर और चेयरमैन एमेरिटस–एक जाने-माने इंडस्ट्रियलिस्ट और समाजसेवी के तौर पर जाने जाते हैं, जिन्हें मैन्युफैक्चरिंग, ग्लोबल ट्रेड और वर्कफोर्स डेवलपमेंट में दशकों का प्रैक्टिकल अनुभव है। उनके अपॉइंटमेंट से कमिटी को इंडस्ट्री की कीमती जानकारी मिलने की उम्मीद है, खासकर ऐसे समय में जब भारत का टेक्सटाइल सेक्टर अमेरिका से बढ़ते टैरिफ दबाव और स्किल्ड और अनस्किल्ड दोनों तरह के वर्कर्स के लिए मजबूत स्किलिंग फ्रेमवर्क की ज़रूरत जैसी चुनौतियों का सामना कर रहा है।

### मंदिर की जमीन से अतिक्रमण हटवाने महिलाओं ने जनसुनवाई में सौंपा ज्ञापन

**नर्मदापुरम।** बालागंज में मरहई माता मंदिर से धर्मशाला की भूमि से अवैध अतिक्रमण हटाने को लेकर स्थानीय लोगों वार्ड पार्षद दीपका राठौर के साथ लीला,ज्योति, खुशबू, दीप्ति,रानी यादव,समता सहित अन्य महिलाओं ने जनसुनवाई में आवेदन दिया। आवेदन के माध्यम से कलेक्टर को अवगत कराया गया कि सन 1962 में इस मंदिर का निर्माण सार्वजनिक लोगों के लिए स्व बद्रूलाल सुपरवाइजर द्वारा कराया गया था। जिसके बाद मंदिर के एक कमरे की जगह को छोड़ा गया था। उस कमरे पर ललित विनोदिया द्वारा अतिक्रमण कर उसे स्वयं के लिए व्यवसायिक उपयोग के लिए किया जा रहा है।जिसमें गैर हिंदुओं को किराए पर दिया गया है जो मंदिर परिसर में गंदगी करते है, जिसके चलते मंदिर परिसर में पूजा करने वाले भक्तों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान में मंदिर का निर्माण किया जा रहा है, जिसमें पूरे मंदिर की धर्मशाला को खाली करने को कहा गया तो ललित विनोदिया ने उस सार्वजनिक मंदिर परिसर को स्वयं का अधिपत्य बता कर कार्य करने के लिए मना किया जा रहा है।निवेदन है उक्त मंदिर परिसर में धर्मशाला की जगह को अतिक्रमण मुक्त कराने की कृपा करें।

### जबलपुर-रायपुर के बीच चलने वाली इंटरसिटी का नाम बदलने का रखा प्रस्ताव

**नर्मदापुरम।** राज्य सभा ने माया नारोलिया नें संसद के शून्यकाल के दौरान भारतीय रेल की नव-संचालित जबलपुर-रायपुर एक्सप्रेस इंटरसिटी ट्रेन (संख्या 11720) का नाम आचार्य विद्यासागर जी महाराज के नाम पर चलने का प्रस्ताव रखा है उन्होंने सदन में बताया कि आचार्य विद्यासागर जी महाराज ने अपने 58 वर्षों के जीवन में शिक्षा, संस्कार, पर्यावरण संरक्षण, नशा मुक्ति, गौ-सेवा और अहिंसा के संदेश को व्यापक जनसमूह तक पहुँचाया है। उनके निर्देशन में स्थापित 150 से अधिक सामाजिक और शैक्षणिक संस्थान लाखों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं। श्रीमती नारोलिया ने यह भी बताया कि आचार्य विद्यासागर का आध्यात्मिक प्रभाव सिर्फ मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ तक सीमित नहीं है, बल्कि राजस्थान, महाराष्ट्र, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और कर्नाटक जैसे कई राज्यों में भी उनका संदेश फैला है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री, पूर्व राष्ट्रपति, पूर्व प्रधानमंत्री सहित कई बड़े नेता भी उनके मार्गदर्शन की प्रशंसा करते हैं। उन्होंने सदन से यह मांग की कि जबलपुर-रायपुर एक्सप्रेस ट्रेन का नाम आचार्य विद्यासागर इंटरसिटी ट्रेन या मूकमाटी इंटरसिटी ट्रेन रखा जाए। जिससे आचार्य जी को राष्ट्रीय स्तर पर उचित श्रद्धांजलि दी जा सके।

### विधायक ने किया टाई करोड़ की सड़क निर्माण का भूमि पूजन



**गंजबासौदा।** प्रधानमंत्री जन मन योजना से स्वीकृत 2 करोड़ से अधिक की राशि से दो अलग अलग क्षेत्र में निर्मित होने वाली सड़कों का भूमि पूजन क्षेत्रीय विधायक हरिसिंह रघुवंशी ने मंगलवार को किया है। जानकारी के अनुसार आदिवासी बाहुल्य ग्राम गमोली खेड़ी को मुख्य मार्ग से जोड़ने के लिए गमाखर से गमोलीखेडा रोड़ का निर्माण एक करोड़ व्यालीस लाख अड़तीस हजार रुपए की लागत से किया जाएगा। इस सड़क के निर्माण होने से आदिवासी बाहुल्य ग्राम गमोली खेड़ी मुख्य मार्ग से जुड़ जाएगा। वहीं परसोंरा से गुलाबगंज मुख्यमार्ग को जोड़ने के लिए परसौरा तक रोड़ निर्माण 90 लाख अस्सी हज़ार रुपए की लागत से किया जाएगा। इन दोनों सड़कों का भूमि पूजन विधायक हरिसिंह रघुवंशी के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। सड़क निर्माण की भूमि पूजन के अवसर पर ग्रामीणों ने विधायक का पुष्प माला पहनकर स्वागत किया एवं उनका सड़क निर्माण की मंजूरी पर आभार व्यक्त किया। इस दौरान विधायक हरिसिंह रघुवंशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के सपनों को साकार करने का संकल्प लिया है। जो जनमन योजना से आमजन और आदिवासियों का चहुमुखी विकास करने का पुनीत कार्य कर रहे हैं। गांव-गांव को मुख्य सड़कों से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है।

---

मुख्य बाजार में डाली जाएगी पेयजल पाइप लाइन, व्यापार प्रभावित न हो इसके लिए धनारस का समय चुना

# व्यापारी और नगरवासियों ने सड़क पर उतरकर विधायक से की काम जल्द पूरा कराने की मांग

**सिरोंज। दोपहर मेट्रो**

नगर पालिका द्वारा शहर के मुख्य बाजार में नवीन पेयजल पाइप लाइन डाली जाएगी। ये काम एक सप्ताह में ही शुरू होने वाला है। कार्य में व्यापारिक स्तर पर किसी तरह की अड़चन न आए, इसके लिए मंगलवार को खुद विधायक उमाकांत शर्मा को मुख्य बाजार की सड़क पर आना पड़ा। शाम करीब 4 बजे विधायक शर्मा कोर्ट गेट चौराहे पर पहुंचें। यहां नपाध्यक्ष मनमोहन साहू, एसडीएम हरिशंकर विश्वकर्मा, नपा सीएमओ रामप्रकाश साहू और इंजीनियर सौरभ श्रीवास्तव पहले ही मौजूद थे। यहां विधायक ने मौजूद नागरिकों के समक्ष ही अधिकारियों जानकारी ली कि पाइप लाइन कहां से कहां तक जाएगी। उन्हें बताया गया कि राजीव गांधी स्मृति चिकित्सालय के सामने बनाई जा रही 23 लाख लीटर पानी की क्षमता वाली टंकी से ये पाइप लाइन कनेक्ट होगी। जो तहसील रोड से होते हुए कोर्ट गेट चौराहे पर आएगी और यहां से मुख्य बाजार और राज बाजार इलाके में पहुंचेगी। मुख्य बाजार से होते हुए यह पाइप लाइन ढाल बाजार और दिल्ली दरवाजा होते हुए अन्य हिस्सों में पहुंचेगी। उन्होंन विधायक ने बताया कि नई पाइप लाइन के डलने से नलों से आने वाले पानी का प्रेशर काफी अच्छा हो जाएगा।

अफसरों से जानकारी लेने के बाद विधायक ने माइक अपने हाथ में लेकर मुख्य बाजार की दुकानदारों और नागरिकों से अपनी बात कही। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में धनारस लगने वाले हैं। जो 14 जनवरी तक रहेंगे। शादियां और मांगलिक कार्य नहीं होने के कारण इस समय व्यापार भी कम रहता है। हमारी कोशिश है कि इस एक महीने में नपा पाइप मुख्य बाजार में पाइप लाइन विस्तार का काम पूरा कर ले। नागरिकों की सुविधा के लिए यह काम व्यापारियों और दुकानदारों के सहयोग से ही पूरा होगा। वे इसमें सहयोग करें।

#### अवैध कब्जा हटाने के लिए पांच दिन का समय दिया

विधायक माइक थामे पैदल ही व्यापारियों से सहयोग का आव्हान करते दिखाई दिए। उन्होंने दुकानदारों से अपना स्थाई और अस्थाई कब्जा हटाने की बात भी कही तथा सीएमओ रामप्रकाश साहू को इस संबंध में जानकारी देने को कहा। इस दौरान सीएमओ ने बताया कि मुख्य बाजार में अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई पूर्व में भी की जाती रही है। सड़क पर कब्जा करने वाले सभी लोग आगामी 5 दिन में अपना अतिक्रमण खुद हटा लें। इसके बाद नपा अमला कार्रवाई करेगी। अवैध कब्जा हटाने के साथ ही सामान की जब्ती भी की जाएगी।

#### जामा मस्जिद से ढाल बाजार तक की सड़क आधा फीट खुदेगी

विधायक ने बताया कि मुख्य बाजार की सड़क के डामरीकरण के दौरान कपड़ा और सराफा बाजार की दुकानदारों ने डामरीकरण के पहले सड़क की खुदाई करने की मांग की थी। उनका कहना था कि सड़क की लगातार ऊंचाई बड़ने के बाद बारिश का पानी दुकानों में भर जाता है। इसलिए नपा डामरीकरण के पहले सड़क की खुदाई करवाए तो बेहतर होगा। विधायक ने बताया कि पाइप लाइन विस्तार के दौरान ही जामा मस्जिद से ढाल बाजार तक की सड़क की खुदाई काम भी किया जाएगा। जिससे की कपड़ा बाजार और सराफा बाजार के दुकानदारों को राहत मिल सके।

### गौसेवकों ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

**डिंडौरी।** गौ सेवक संघ ने कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया को एक ज्ञापन सौंपा। इसमें दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान में कम भुगतान और काम न करने पर विभागीय अधिकारियों की ओर से कार्रवाई की धमकी दिए जाने का आरोप लगाया गया है। वहीं विभागीय अधिकारियों का कहना है कि सर्वे का रेट शासन द्वारा तय किया गया है और मांगपत्र शासन स्तर पर भेजा जा चुका है। गौ सेवकों के अनुसार दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान में प्रति परिवार केवल 5 रुपए का भुगतान किया जा रहा है। जब उन्होंने इस दर पर काम करने से मना किया, तो उपसंचालक की ओर से उन्हें मानसिक रूप से परेशान किया जा रहा है।

### साईं कृष्णा हिल व्यू रिसॉर्ट में किया पर्यटन संवर्धन संवाद

#### नर्मदापुरम के स्थानीय कलाकारों का किया सम्मान

**नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो**

वेब सीरीज महारानी-4 की सफलता और जिले में फिल्म टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिहाज से एक पर्यटन संवर्धन संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन श्रीजीत एंटरटेनमेंट द्वारा किया गया था, जिसमें फिल्म निर्माता नरेन कुमार, विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा, कलेक्टर सोनिया मीना, एसपी साईं एस कृष्णा थोटा, जिपं सीईओ हिमांशु जैन सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। उन्होंने महारानी-4 की पूरी शूटिंग टीम, स्थानीय कलाकारों और

सहयोगी संस्थाओं को सम्मानित किया। कार्यक्रम का आयोजन साईं कृष्णा हिल व्यू रिसोर्ट में हुआ था। श्रीजीत एंटरटेनमेंट के श्रीजीत ठाकुर, शैलेन्द्र कौरव, लोकेश तिवारी, ऋषभ तिवारी और अन्य सदस्यों ने अतिथियों का स्वागत किया, जबकि संचालन राजेंद्र ठाकुर ने किया और आभार शैलेन्द्र कौरव ने व्यक्त किया।इस अवसर पर कलेक्टर सोनिया मीना ने कहा कि नर्मदापुरम में पर्यटन और फिल्म टूरिज्म दोनों क्षेत्र में तेजी से विकास की संभावनाएं हैं, और जिला प्रशासन हर संभव मदद के लिए तत्पर है। विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा ने नर्मदांचल की प्राकृतिक सुंदरता और स्थानीय प्रतिभा को फिल्मांकन के लिए उपयुक्त बताया। नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव ने कहा कि यहां की प्रतिभाएं महानगरों के टैलेंट से कम नहीं हैं। उनका लक्ष्य है कि नर्मदापुरम शूटिंग हब बने और स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर मिलें

### विधायक के आने की जानकारी लगते ही अफसरों ने करवाई बेरीकेडिंग

**सिरोंज। दोपहर मेट्रो**

मुख्य बाजार में आवागमन व्यवस्था में सुधार के लिए नपा द्वारा मुख्य बाजार में पाइप के बेरीकेट्स लगाए गए हैं। तीन स्थानों पर लगाए गए बेरीकेट्स के माध्यम से दोपहर में मुख्य बाजार की सड़क पर चार पहिया वाहनों का प्रवेश बंद किया गया है। नपा की ये व्यवस्था कुछ दिनों ठप्प पड़ी हुई थी। इस कारण सभी प्रकार के वाहनों का मुख्य बाजार में बिना किसी रोकटोक के आवागमन हो रहा था। मंगलवार को विधायक उमाकांत शर्मा के मुख्य

बाजार में आने की जानकारी लगी तो नपा अमला इस व्यवस्था को लेकर एक्टीव हो गया। एसडीएम हरिशंकर विश्वकर्मा और नपा सीएमओ रामप्रकाश साहू जैसे ही बाजार में पहुंचे तब बेरीकेटिंग के लिए पाइप लगने वाले पाइप सड़क से गायब थे। वाहन बेखौफ होकर मुख्य बाजार में प्रवेश कर रहे थे। इसी बीच अफसर एक्टीव हुए और तुरंत ही पाइप पर ताले डालने वाले कर्मचारी को बुलाया गया। इस कर्मचारी ने कोर्ट गेट चौराहे पर अफसरों के सामने ही पाइप लगाकर ताले डाले।

### प्रजापति समाज के अध्यक्ष बने गणेशराम

**सिरोंज ।** श्री राम जानकी मंदिर प्रजापति समाज के मंदिर में समाज की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित कर समाज के सर्वसम्मति से चुनाव की प्रक्रिया पूर्ण हुई। बैठक में गणेशराम प्रजापति को सर्वसम्मति से समाज का अध्यक्ष एवं कैलाश प्रजापति को उपाध्यक्ष चुना गया। गणेशराम प्रजापति पूर्व एल्डरमैन नपा सिरोंज के साथ ही 1993 से समाज सेवा में निरंतर अपनी भूमिका निभा रहे है। योगेश प्रजापति ने स्मृति चिन्ह का वाचन किया। इस अवसर पर समाज के सभी सदस्यों ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी। कार्यक्रम में समाज केआगामी कार्यक्रम और सामाजिक मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर बालमुकुंद प्रजापति, सालिकराम प्रजापति, तुलसीराम प्रजापति , दीपचंद प्रजापति, नर्मदा प्रजापति, मदनलाल प्रजापति, मोतीलाल प्रजापति, ब्रजमोहन प्रजापति, धर्मेंद्र प्रजापति, कन्हैयालाल प्रजापति छिपेटी बाजार, घनश्याम प्रजापति, अशीष प्रजापति एवं दिनेश प्रजापति सहित अन्य समाज जन उपस्थित रहे।

### गरीब और वंचितों को भूमि पट्टे का लाभ दिलाने की मांग

**नरसिंहपुर।। दोपहर मेट्रो**

नरसिंहपुर के गोटेगांव में जन एकता समिति श्रीधाम के नेतृत्व में रैली निकालकर गरीब और वंचित लोगों को भूमि पट्टा योजना का लाभ दिलाने की मांग की गई। समिति ने एसडीएम और नगर पालिका सीएमओ को ज्ञापन देते हुए आरोप लगाया कि शासन की योजना की जानकारी पात्र लोगों तक नहीं पहुंचाई जा रही है।

ज्ञापन में बताया गया कि कलेक्टर कार्यालय शहरी विकास नरसिंहपुर के पत्र क्रमांक 582/डूडा/2025 और नगरीय प्रशासन विभाग, भोपाल के निर्देशों के मुताबिक

भूमिहीनों को पट्टा देने की प्रक्रिया शुरू की गई है। इसके तहत 31 दिसंबर 2020 तक शासकीय भूमि पर निवासरत पात्र परिवारों का सर्वे किया जाना है। निर्देशों के अनुसार सर्वेक्षण दल को 13 दिसंबर 2025 तक सूची प्रस्तुत करनी है और 14 दिसंबर को प्रारंभिक सूची जारी की जानी है।समिति ने प्रशासन से सर्वेक्षण और जागरूकता के लिए समय सीमा बढ़ाने का आग्रह किया, क्योंकि वर्तमान अवधि में सभी प्रक्रियाएं पूरी करना मुश्किल है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए, तो समिति आंदोलनात्मक कदम उठाने के लिए बाध्य होगी।

---

**मेट्रो एंकर** इटारसी में 14 से 21 दिसंबर तक अखिल भारतीय हॉकी महाकुंभ

# प्रतियोगिता में भारत की 20 हॉकी टीमें होंगी शामिल

**इटारसी। दोपहर मेट्रो**

भारतीय हॉकी की 100 गौरवशाली वर्ष की पूर्ति के उपलक्ष्य में, नगर पालिका परिषद इटारसी इस वर्ष 14 दिसंबर से 21 दिसंबर तक मिनी गांधी स्टेडियम में अखिल भारतीय हॉकी प्रतियोगिता का भव्य आयोजन कर रही है। यह प्रतियोगिता इटारसी की छह दशक से अधिक पुरानी समृद्ध हॉकी विरासत को दर्शाती है। इस मेगा इवेंट की तैयारियों की जानकारी देने के लिए न्यास कॉलोनी स्थित ठाकुरजी गार्डन में एक पत्रकारवार्ता आयोजित की गई।

इस अवसर पर मंच पर पंकज चौरे नगरपालिका अध्यक्ष, राहुल चौरे नगर भाजपा मंडल अध्यक्ष एवं आयोजन समिति के अध्यक्ष, एससी लाल वरिष्ठ हॉकी खिलाड़ी, दीपसिंह ठाकुर कोच, निर्मल सिंह राजपूत नगर पालिका उपाध्यक्ष, सर्वप्रीत सिंघ भाटिया सचिव, जयराज सिंह भानू वरिष्ठ खिलाड़ी, रविन्द्र सिंह जोशी, शेख

नियाज, गिडियन अल्फ्रेड, अमित श्रीवास, गोलू भाटिया, बिट्टू बोहरा जैसे वरिष्ठ खिलाड़ी और सामाजिक कार्यकर्ता मनीष सिंह ठाकुर, शैलेन्द्र दुबे मौजूद रहे। संचालन जयकिशोर चौधरी ने, आभार प्रदर्शन शैलेन्द्र दुबे ने किया।

#### मिहानी परिवार का विशेष योगदान

इस वर्ष प्रतियोगिता में घोषित तीन पुरस्कारों के अलावा मिहानी परिवार की ओर से विशेष योगदान के रूप में एक महत्वपूर्ण घोषणा 1 लाख 1 हजार रुपए देने की गई है। समिति ने मिहानी परिवार का हार्दिक आभार व्यक्त किया है।

#### 100 वर्ष पूर्ण होने पर बदलाव

भारतीय हॉकी के शताब्दी वर्ष के चलते, प्रतियोगिता में दो बड़े बदलाव किए गए हैं, पुरस्कारों की संख्या बढ़ाकर तीन की गई है और प्राइज मनी में वृद्धि करके प्रथम पुरस्कार 1 लाख रुपए किया है। टूर्नामेंट के फाइनल मैच में प्रदेश के खेल मंत्री विश्वास सारंग के आने की स्वीकृति मिल चुकी है।

#### प्रतियोगिता की मुख्य घोषणाएं

मंचासीन अतिथियों ने पत्रकारों को बताया कि यह आयोजन जन सहयोग और नगर पालिका परिषद के समर्थन से हो रहा है। 14 दिसंबर से शुरू होकर 21 दिसंबर को मिनी गांधी स्टेडियम में समापन होगा। पूरे भारत से लगभग 20 उत्कृष्ट हॉकी टीमें इस महाकुंभ में हिस्सा लेंगी। नपा ने टूर्नामेंट के लिए 9 लाख की राशि स्वीकृत की है, जबकि शेष राशि जनसहयोग से जुटाई जाएगी।

## न्यूज विंडो

### स्वसहायता समूह की महिलाओं ने विरोध प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

**बालाघाट।** जिले में राशन दुकानों का संचालन कर रही स्वसहायता समूह की महिलाओं ने वेतन में गड़बड़ी, कमीशन में कमी और भुगतान में देरी को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। अपनी समस्याओं के समाधान के लिए विधायक, कलेक्टर और जिला सप्लाई अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। महिलाओं का कहना है कि पहले उन्हें प्रति माह 10,500 रुपए कमीशन मिलता था, जिसे अब घटाकर 8,500 रुपए कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त, उन्हें यह भुगतान भी समय पर नहीं मिल रहा है, जिससे घर चलाना मुश्किल हो रहा है। ये स्वसहायता समूह ग्रामीण और वन समिति क्षेत्रों में लगभग 200 से अधिक राशन दुकानों का संचालन कर रहे हैं, जहां सहकारी समितियां सेवाएं नहीं दे पा रही हैं। इन दुकानों के माध्यम से हितग्राहियों को राशन वितरित किया जाता है।

### रंजिश को लेकर किसान की कटी पड़ी धान को लगाई आग

**कटनी।** जिले के बड़वारा थाना क्षेत्र के सिजहनी गांव में एक किसान की दो एकड़ कटी हुई धान की फसल को पुरानी रंजिश के चलते आग लगा दी गई। इस घटना के बाद भी पुलिस पर कार्रवाई न करने का आरोप है।किसान चंद्रभान के अनुसार, उसने बड़वारा थाने में इस मामले की शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। इसके बाद मजबूर होकर वह एसपी कार्यालय पहुंचा और पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी।

### पन्ना से नागपुर ले जाए जा रहे थे मवेशी, सिवनी पुलिस ने पकड़े

**सिवनी।** पुलिस ने मवेशी तस्करी का भंडाफोड़ किया है। देर रात एक कंटेनर में क्रूरतापूर्वक ले जाए जा रहे 32 मवेशियों को मुक्त कराया और दो आरोपियों को मौके से गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार ये मवेशी पन्ना से नागपुर के कत्लखाने ले जाए जा रहे थे। कोतवाली थाना प्रभारी सतीश तिवारी ने बताया कि पुलिस अधीक्षक सुनील मेहता गोवंश तस्करी और अवैध परिवहन पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा और अनुविभागीय अधिकारी पुलिस सिवनी श्रद्धा सोनकर के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई।

### आरएसएस का शताब्दी वर्ष: पंच परिवर्तन विषयों पर गृह संपर्क अभियान तेज

**तेन्दूखेड़ा।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में पूरे देश में आओ बनाएं समर्थ भारत, संकल्प के साथ व्यापक गृह संपर्क अभियान आरंभ किया गया है। इसी क्रम में तेंदूखेड़ा नगर में भी स्वयंसेवक घर-घर पहुंचकर समाज जागरण, राष्ट्रहित एवं व्यक्तिनिर्माण के संदेश को जन-जन तक पहुंचा रहे हैं। अभियान का प्रमुख केंद्र पंच परिवर्तन है, जिसके अंतर्गत पांच मूल विषयों– सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, कुटुंब प्रबोधन, स्व आधारित जीवन, नागरिक कर्तव्यबोध पर जनता को जागरूक किया जा रहा है। स्वयंसेवक प्रत्येक घर में इन पाँच सूत्रों के महत्व को समझाते हुए समाज में समरसता, परिवार में सौहार्द, प्रकृति संरक्षण, आत्मनिर्भरता तथा नागरिक दायित्वों के पालन को जीवनशैली का हिस्सा बनाने का आग्रह कर रहे हैं। अभियान से जुड़े स्वयंसेवकों ने बताया कि संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने का यह अवसर केवल उत्सव नहीं, बल्कि समाजसेवा, राष्ट्रजागरण और व्यक्तिनिर्माण के संकल्प को और दृढ़ करने का समय है। तेंदूखेड़ा नगर के स्वयंसेवकों ने बताया कि पंच परिवर्तन अभियान का उद्देश्य समाज में सकारात्मक वातावरण बनाना है।

### हरदा में होने वाले जनक्रांति न्याय आंदोलन को लेकर बैठक में की चर्चा

**सिवनी मालवा।** राजपूत समाज के सामाजिक बंधु,करणी सेना और यदुवंश सेना सहित अन्य सामाजिक कार्यकर्ताओं ने जन क्रांति न्याय आंदोलन जो 21 दिसंबर को हरदा में होने जा रहा है। इसको लेकर बानापुरा के निचा बाजार स्थित भाटी निवास पर एक बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान गांव-गांव जाकर 21 दिसंबर को हरदा पहुंचने की रूपरेखा बनाई गई है। किस प्रकार से अधिक से अधिक संख्या में राजपूत समाज करनी सेना सहित सर्व समाज के लोगों को पहुंचकर अपने अधिकार की लड़ाई शामिल होना है ! इस अवसर पर शंभू सिंह भाटी, अजीत सिंह मंडलोई,काका कोदर सिंह मौर्य, रघुवीर सिंह, लल्लू सिंह चौहान, सुरेंद्र सिंह तोमर नीरज सिंह चौहान,राजपूत,करणी सेना परिवार प्रदेश मंत्री सुरेंद्र सिंह भाटी,जितेंद्र सिंह सोलंकी,नितेश सिंह सिकरवार,योगेश सिंह ठाकुर,संतोष सिंह चंदेल,सोनू सिंह भाटी विकास सिंह पवार शंभू सिंह दीवान प्रवीण सिंह चौहान जीतू सिंह राजपूत लालू सिंह भाटी,अंकुर सिंह राजपूत शैलेंद्र सिंह,अक्षत सिंह राजपूत सहित राजपूत एवं समस्त करणी सैनिक एवं राजपूत समाज के वरिष्ठ लोग उपस्थित थे।

# फर्जीवाड़े का बड़ा खेल: 2.50 के बजाय खातों में भेजे 8.50 लाख रुपए

**दमोह। दोपहर मेट्रो**

प्रधानमंत्री आवास योजना के बीएलसी घटक के तहत दमोह नगरपालिका में हुए बड़े फर्जीवाड़ा की परतें लगातार खुलती जा रही हैं। पहले योजना की राशि में हेरफेर का मामला सामने आया था और अब एक ही नपा की अलग-अलग आइडी बनाकर उसमें राशि डलवाने का फर्जीवाड़ा सामने आया है। सीए के माध्यम से हुई ऑडिट की जांच में यह खुलासा हुआ है, जिसमें 83 से अधिक खातों में तय राशि से अधिक राशि पहुंचाई गई हैं, इनमें 2.50 लाख की जगह किसी में 7 लाख तो किसी में 8.50 लाख रुपए तक भेजे गए हैं।

ऑडिट रिपोर्ट के अनुसार 2022

से 2024 के बीच सबसे ज्यादा राशि गलत खातों में गई है। बड़ी गड़बड़ी सामने आने के बाद नपा द्वारा कलेक्टर को गलत जानकारी देकर गुमराह करने की बात भी सामने आई है। दरअसल, शासन के माध्यम से पर्याप्त राशि दमोह नगरपालिका को मिलने के बाद भी प्रधानमंत्री आवास की किस्तें हितग्राहियों को नहीं मिल रही थी। जिसकी शिकायत बढ़ने और योजना प्रभारी अशोक पाठक द्वारा योजना संबंधी फाइलें कार्यालय से गायब करने के बाद तत्कालीन सीएमओ प्रदीप शर्मा ने सागर की जीडीके एंड एसोसिएट चार्टेट एकाउंटेंट्स से ऑडिट रिपोर्ट तैयार कराई गई थी। साथ ही हर एक बिंदू की जांच कराई गई थी।

इसकी ऑडिट रिपोर्ट एजेंसी द्वारा बीते माहों में नगरपालिका को सौंप दी गई थी, लेकिन नगरपालिका ने इसे दबा लिया था। अब पूर्व पार्षद बिंदू पटोटिया ने उक्त ऑडिट रिपोर्ट प्राप्त करके पूरा खुलासा है। साथ ही मामले को कलेक्टर के समक्ष भी प्रस्तुत किया है।

### इन खातों में नियम विरुद्ध भेजे गए पैसे

दमोह में सामने आए इस मामले में दस्तावेज में सुनीता के खाते में तीन आइडी से 6 लाख, ताराबाई के खाते में तीन आइडी 5 लाख, उमाबाई के खाते में तीन आइडी से 5 लाख, विनोद कुमार के खाते में दो आइडी से 4 लाख, केशर बाई रैकवार के खाते में 2 आइडी से 4 लाख, मोहम्मद के खाते में चार आइडी से 7 लाख, सविता के खाते में 3 आइडी से 5 लाख, किरण के खाते में 6 आइडी से 8.50 लाख, लक्ष्मी के खाते में 5 आइडी से 7 लाख, लक्ष्मीबाई के खाते में 4 आइडी से 5 लाख, अनीता के खाते में 3 आइडी 5 लाख सहित 83 खातों में 3 लाख से अधिक राशि पहुंचाई गई है।

**खजुराहो केबिनेट की बैठक:** सागर-दमोह 4-लेन मार्ग निर्माण को 2059 करोड़ की मंजूरी

# सागर जिले को सड़क, उद्योग, वन्यजीव और स्वास्थ्य के क्षेत्रों में मिलेंगी सुविधाएं

**सागर। दोपहर मेट्रो**

खजुराहो में आयोजित हुई कैबिनेट की बैठक में सागर जिले से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में आयोजित हुई कैबिनेट बैठक सागर जिले के लिए महत्वपूर्ण निर्णयों से न केवल रोजगार उपलब्ध होंगे बल्कि चौमुखी विकास के द्वारा भी खुलेंगे। उक्त विचार कलेक्टर संदीप जी आर ने आज कैबिनेट बैठक के पश्चात व्यक्त किए। कलेक्टर ने बताया कि केबिनेट बैठक में सागर-दमोह मार्ग को 4-लेन मय पेव्हड शोल्डर के साथ विकसित करने के लिए 2059.85 करोड़ रुपये की स्वीकृति

प्रदान की गई है। 76.680 किमी लंबे इस मार्ग का निर्माण हाइब्रिड एन्युटी मॉडल (एचएएम) के अंतर्गत किया जाएगा। परियोजना में 13 अंडरपास, 3 फ्लाईओवर, 9 मिडियन, 1 आरओबी तथा 13 पुल-पुलिया निर्माण का प्रावधान है। भूमि अर्जन और अन्य कार्यों पर 323.41 करोड़ रुपये व्यय किए जाएंगे।

#### नौरादेही अभ्यारण्य में बनेगा चीता आवास

वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में भी सागर जिले को बड़ी उपलब्धि मिली है। नौरादेही अभयारण्य को प्रदेश के तीसरे चीता आवास के रूप में विकसित करने की सैद्धांतिक सहमति दी गई है। इससे क्षेत्र में पर्यावरणीय संरक्षण और इको-टूरिज्म को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

#### मसवासी ग्रंट क्षेत्र को मिला औद्योगिक प्रोत्साहन पैकेज

उद्योगों के लिए भी सागर को विशेष पैकेज प्रदान किया गया है। सागर के मसवासी ग्रंट औद्योगिक क्षेत्र के लिए स्वीकृत विशेष औद्योगिक प्रोत्साहन पैकेज में भूमि टोकन शुल्क मात्र एक रुपये प्रति वर्गमीटर, किराया और रजिस्ट्रेशन शुल्क में पूर्ण छूट एवं बिजली दरों में रियायत शामिल है। यह पैकेज पांच वर्ष की अवधि के लिए प्रभावी रहेगा।

#### बीना में 100 बिस्तर तक बढ़ाई जाएंगी स्वास्थ्य सेवाएं

स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए बीना सिविल अस्पताल की क्षमता 50 से 100 बिस्तर तक बढ़ाने और नए पदों के सृजन को भी मंजूरी दी गई है। इससे स्थानीय नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होने की उम्मीद है। उक्त निर्णयों से सागर जिले के लिए यह बैठक अत्यंत महत्वपूर्ण रही।

### जंगल बचाने की बजाए सौदों की मंडी बना विभाग

**शहडोल। दोपहर मेट्रो**

दक्षिण वनमंडल के हालात इन दिनों किसी से छुपे नहीं हैं। डिप्टी रेंजर कमला वर्मा के राज में जंगलों का माहौल ऐसा बन गया है कि मानो हर दूसरा आदमी लकड़ी माफिया बन बैठा हो। जिम्मेदारी का बोझ लिए बैठे अधिकारी की खामोशी और ढिलाई ने वन विभाग को जंगल बचाने वाली संस्था से अधिक ''लकड़ी व्यापारियों'' की शरणस्थली बना दिया है। नतीजा यह कि बीट क्षेत्र हो या रेंज का इलाका, हर तरफ अवैध कटाई और परिवहन की खुलेआम होड़ लगी है। जहाँ नकली टीपी का कारोबार और विभाग की मिलीभगत से लकड़ी का खेल और शहर में लकड़ी माफियाओं की तादाद में वृद्धि हुई है ओपीएम से लेकर बुढ़ार और अलग-अलग कोने में लकड़ी माफिया कुकुरमुत्ते की तरह फैले हैं जो किसानों से थोक के भाव लकड़ी का सौदा करके विभाग की टीपी को पंचायत के हस्तलिखित कागज को ढाल बनाकर दोगुने दाम में बेंच रहे हैं।

रात होते ही जंगलों से निकलते ट्रैक्टर, पिकअप और डंपर मानो यह साबित करने निकलते हैं कि कानून सिर्फ कागजों में है, जमीन पर नहीं। कई वाहन बिना नंबर के, कई पर राजनीतिक संरक्षण की परछाईं, और कुछ पर वनकर्मियों की चुप्पी का आशीर्वाद। ग्रामीण बताते हैं कि शिकायत करने पर उल्टा वनकर्मियों की नाराजगी झेलनी पड़ती है। हालात यहाँ तक पहुँच चुके हैं कि बीट की सीमाओं में कौन सा पेड़ कितना खड़ा है, विभाग को इस बात का भी सही हिसाब नहीं।

# सड़क हादसे में घायल युवक की उपचार के दौरान हुई मौत

**पत्नी व दो बच्चों का निजी हॉस्पिटल में चल रहा इलाज**

**तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो**

बीते दिन 3 दिसंबर को थाना क्षेत्र के अंतर्गत दमोह तेंदूखेड़ा मार्ग पर पांजी सांगा के बीच हुए हादसे में घायल युवक की उपचार के दौरान मौत का मामला सामने आया है। गत दिवस वह तेरहवीं कार्यक्रम में शामिल होकर अपने घर जा रहे बाइक सवार एक परिवार को अज्ञात वाहन टक्कर मारकर मौके से भाग निकला था बाइक सवार लोग घायल अवस्था में सड़क पर पड़े रहे जिन्हें 108 की मदद से इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया था। जहां से सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया था। जहां इलाज के दौरान युवक की मौत हो जाने का घटनाक्रम सामने आया है। घायल परिवार का प्राइवेट हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है।

घटना के संबंध में मिली जानकारी अनुसार जबलपुर जिले के शहपुरा थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ठूंठा ग्राम के निवासी राजा पिता रमेश अहिरवार उम्र 35 वर्ष की हादसे के दो दिन बाद इलाज के दौरान मौत हो गई। जबकि मृतक की पत्नी सविता पति राजा अहिरवार उम्र 32 दीपक पिता राजा अहिरवार उम्र 6 दीपेंद्र पिता राजा अहिरवार उम्र 7 का जबलपुर के प्राइवेट हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है आपको बता दें राजा अहिरवार रिश्तेदारी में शामिल होने के लिए सांगा ग्राम गया था जहां से वापस आते समय यह हादसा हो गया है वहीं रिश्तेदार राजा को रुकने के लिए बोल रहे थे लेकिन राजा नहीं रुका और हादसे का शिकार हो गया।

वही सूत्रों द्वारा खबर है बाइक सवार परिवार को टक्कर मारने वाली यूपी पार्सिंग की एक टाटा सफारी कार को पुलिस द्वारा घटना के दिन ही जब्त कर लिया था जहां कार है जो कि जबलपुर से दमोह की और जा रही है जहां सामने से आ रहे बाइक सवार राजा अहिरवार को टक्कर मारकर आगे जाकर खड़ी हो गई है तेन्दूखेड़ा पुलिस द्वारा अभी जांच की जा रही है।

**यदुवंशी समाज के लोगों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन**

# गांवों में बिकती अवैध शराब पर लगाएं रोक

**सिवनी मालवा। दोपहर मेट्रो**

यदुकुल युवा संगठन सिवनी, बानापुरा सहित आसपास के क्षेत्र से आए लोगों ने एसडीम विजय राय को एक ज्ञापन सोप कर अवैध शराब की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने की मांग करी है। ज्ञापन में मांग की है कि सिवनी मालवा तहसील के विभिन्न ग्रामों और सड़कों के किनारे खुलेआम अवैध रूप से शराब की बिक्री कर शराब पिलाई जा रही है जिससे चिंताजनक एवं सामाजिक रूप से घातक स्थिति बन गई है।

यदुकुल युवा संगठन, सर्व समाज यदुवंशी (यादव/जादम) समाज परिषद एवं यदुवंशम सेना इस अवैध शराब बिक्री का पुरज़ोर विरोध करती है। गांव-गांव में आसानी से शराब उपलब्ध होने के चलते आज का युवा वर्ग और अन्य लोग अत्यधिक शराब सेवन कर स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रहे हैं। नशे की हालत में परिवार की महिलाओं एवं बच्चों के साथ मारपीट तथा घरेलू हिंसा बढ़ रही है। अवैध विक्रेता उधार शराब देकर ग्रामीणों को ऋणग्रस्त बना रहे हैं जिससे सामाजिक और आर्थिक समस्याएँ उत्पन्न हो रही हैं। उपरोक्त समस्याओं को देखते हुए हम सभी संगठनों एवं सर्व समाज की ओर से ज्ञापन के माध्यम से मांग करते हैं कि सिवनी मालवा तहसील एवं उसके अंतर्गत आने वाले ग्रामों में अवैध शराब की बिक्री, भंडारण, परिवहन एवं खुलेआम शराब परोसने पर कड़ी रोकथाम हेतु प्रभावी कार्रवाई की जाए।

यदि ग्रामों सहित अन्य क्षेत्रों में अवैध शराब की बिक्री शीघ्र बंद नहीं की जाती है, तो यदुवंशी समाज सहित सर्व समाज चरणबद्ध लोकतांत्रिक आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। सिवनी मालवा के बाबरी घाट, रूपादेह,आयपा, हरपालपुर, वोरट, सुरंगी, अमलाडा डोंगर, खपरिया, भांगिया, झिल्लारय, लोधडी बुंडारा, राशी, हथनापुर, बनाड़ा, सहजकुई, भेला, मकडाई, बासनिया कीर, घोघरा, भैसादेह, रमपुरा, लुवगांव उमरिया, ग्वाडी, खारदा, धामनिया, नीमनपुर, बासनियाकलां, गाजनपुर, भमेडी देव, सतवासा, जीजलवाडा, चंद्पुरा शाहिद ऐसे कई गांव हैं जहां पर जमकर शराब का अवैध कारोबार चल रहा है।

**मेट्रो एंकर** लाखों रुपए की लागत से 460 पंचायतों में बनाए गए थे स्वच्छता परिसर

# देखभाल न होने से खंडहर में तब्दील हो रहे शौचालय

**तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो**

गरीब कल्याण रोजगार योजना के तहत जिले की ग्राम पंचायतों में बनाए गए लाखों के सामुदायिक स्वच्छता परिसर का उपयोग नहीं हो रहा है। पंचायतें वर्षों बाद भी ताले नहीं खोल पाई हैं। प्रशासन के द्वारा निर्माण कार्य कराने के बाद संचालन की कोई व्यवस्था नहीं बनाई गई है। जिसके चलते स्वच्छता परिसर बर्बाद हो रहे हैं।

जानकारी के मुताबिक कोरोना काल में रोजगार देने के उद्देश्य से गरीब कल्याण योजना के तहत ग्राम पंचायतों में सामुदायिक स्वच्छता परिसर का निर्माण कार्य कराया गया था। जिसमें ग्रामीणों को रोजगार मिलने के साथ ग्राम में स्वच्छता बनाई जा सके। इस योजना में दमोह जिले की करीब 460 पंचायतो में स्वच्छता परिसर बनाए गए। निर्माण कार्य में 7 से 8 करोड़ रुपए खर्च किए गए। निर्माण कार्य तीन मद से किया गया है। इसमें स्वच्छ भारत मिशन से 2 लाख 10 हजार, मनरेगा से 43 हजार 700 और 15वें वित्त से 90 हजार खर्च हुए थे। निर्माण एजेंसी ग्राम पंचायतों को बनाया गया था लेकिन वर्षों बाद भी सामुदायिक स्वच्छता परिसर का उपयोग नहीं हो रहा है और परिसर शोपीस बने हुए हैं तो कुछ ग्राम पंचायतों में यह स्वच्छता परिसर खंडहर में तब्दील हो चुकी है स्वच्छ भारत मिशन को जिले की ग्राम पंचायतें गंभीरता से नहीं ले रही। यही कारण है कि तेन्दूखेड़ा ब्लॉक की 62 ग्राम पंचायतों में बनाए गए सामुदायिक स्वच्छता परिसर तालों में बंद पड़े हुए हैं तो कुछ ग्राम पंचायतों में आज भी अधूरे पड़े हैं जिनकी राशि पूरी निकलने के बाद भी इनका पूरा कार्य नहीं कराया गया है। जिससे परिसर बेकाम हो गए हैं।कहीं-कहीं तो ग्राम पंचायत के सरपंच सचिव द्वारा खानापूर्ति करते हुए इन शौचालय को बनाकर छोड़ दिया है।जो ख़राब होने के कगार पर पहुंच गए हैं जबकि सरकार के खजाने से करोड़ से अधिक की राशि से पक्के निर्माण कार्य किए गए हैं। इसके बाद भी पंचायत के जिम्मेदार लोगों की सुविधाओं के लिए बनाए गए। स्वच्छता परिसर को नहीं चालू नहीं कराया जा सका है जबकि ग्राम पंचायतों के पास पर्याप्त फंड है।

शासन द्वारा हर ग्राम पंचायत को स्वच्छ भारत मिशन के परिकल्पना को साकार करने के उद्देश्य से प्रदेश भर की ग्राम पंचायतों में यह सामुदायिक स्वच्छता परिसर का निर्माण कराया गया था जिससे शहर के साथ साथ ग्राम पंचायतों में भी लोगों को खुले में शौच करने ना जाना पड़े और ग्राम पंचायत भी स्वच्छ रहे लेकिन तेन्दूखेड़ा ब्लॉक की ग्राम पंचायतों में ऐसा नहीं हुआ है। यहां पर स्वच्छता परिसर बनने के बाद आज भी पांच साल से बंद पड़े हुए हैं और खंडहर होने की कगार पर पहुंच सकते हैं।

# हार्दिक टी-20 में 100 सिक्स लगाने वाले चौथे भारतीय

## पंड्या ने मैच में छक्का लगाकर 100 छक्के पूरे किए

**कटक. एजेंसी**

भारत ने कटक के बाराबाती स्टेडियम में खेले गए पहले टी-20 में साउथ अफ्रीका को 101 रन से हरा दिया। टीम ने हार्दिक पंड्या की फिफ्टी की मदद से 20 ओवर में 175 रन बनाए। जवाब में साउथ अफ्रीका की टीम सिर्फ 74 रन पर ऑलआउट हो गई। यह टी-20 में टीम का सबसे छोटा स्कोर भी रहा। मुकाबला पूरी तरह हार्दिक पंड्या, जसप्रीत बुमराह और तिलक वर्मा के नाम रहा। हार्दिक ने छक्का लगाकर टी-20 में अपने 100 छक्के पूरे किए, वे ऐसा करने वाले भारत के चौथे खिलाड़ी बने। वहीं जसप्रीत बुमराह ने अपने 100 टी-20 विकेट पूरे कर लिए, वे यह उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे भारतीय बने। हार्दिक पंड्या टी-20 इंटरनेशनल में 100 सिक्स लगाने वाले चौथे भारतीय बन गए। इस रिकॉर्ड में रोहित शर्मा सबसे आगे हैं, जिनके नाम 205 सिक्स दर्ज हैं।

### बुमराह टी-20 में 100 विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय

जसप्रीत बुमराह टी-20 इंटरनेशनल में 100 विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय बन गए। उन्होंने डेवाल्ड ब्रेविस को आउट करके यह माइलस्टोन हासिल किया। बुमराह से पहले अर्शदीप सिंह इस उपलब्धि तक पहुंच चुके हैं। बुमराह इंटरनेशनल क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट (टेस्ट, वनडे और टी-20) में 100 विकेट लेने वाले दुनिया के पांचवें गेंदबाज बन गए। उनसे पहले लसिथ मलिंगा, टिम साउदी, शाकिब अल हसन और शाहीन अफरीदी ही इस एलीट क्लब में शामिल थे।

### अर्शदीप ने भुवनेश्वर की बराबरी की

पहले टी-20 में 2 विकेट लेने के साथ ही अर्शदीप सिंह ने टी-20 इंटरनेशनल में भारत के लिए पावरप्ले (ओवर 1-6) में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में भुवनेश्वर कुमार की बराबरी कर ली। उनके नाम अब 47 विकेट हो गए हैं।

### तिलक वर्मा के एक हजार टी-20 रन पूरे

तिलक वर्मा ने पहले टी-20 में शानदार छक्का लगाकर अपने टी-20 इंटरनेशनल करियर में 1000 रन पूरे कर लिए। वे सबसे तेज इस मुकाम पर पहुंचने वाले भारत के 5वें बल्लेबाज बने। तिलक ने यह उपलब्धि सिर्फ 34 पारियों में हासिल की। इस मामले में विराट कोहली 27 पारियों के साथ पहले और अभिषेक शर्मा 28 पारियों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। गौरतलब है कि भारत के खिलाफ सिर्फ 74 रन पर ऑलआउट होकर साउथ अफ्रीका ने अपने टी-20 इतिहास का सबसे कम स्कोर बनाया।

## म्यूचुअल-फंड्स-एसेट्स 10 साल में 4 तो इक्विटी-होल्डिंग्स 7 गुना होगी

### इक्विटी में 30 से कम उम्र के निवेशकों की हिस्सेदारी 40 प्रतिशत, 5 साल पहले 23 प्रतिशत थी

**मेट्रो बाजार**

**मुंबई. एजेंसी**

देश के युवा निवेश के मामले में शेयरों (इक्विटी) से जुड़े प्रोडक्ट्स को तरजीह दे रहे हैं। इनके निवेश की मौजूदा रफ्तार बनी रही तो अगले 10 साल में म्यूचुअल फंड्स की संपत्ति करीब चार गुना और डायरेक्ट इक्विटी होल्डिंग्स 7 गुना हो जाएगी। इसमें 18-34 साल के युवाओं की सबसे बड़ी भूमिका होगी, जो अभी स्टॉक्स के जरिए म्यूचुअल फंड में सबसे ज्यादा निवेश कर रहे हैं। बेन एंड कंपनी और ग्रो की 'हाउ इंडिया

इन्वेस्ट्स 2025' रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि साल 2035 तक म्यूचुअल फंड्स की कुल संपत्ति 300 लाख करोड़ रुपए से ऊपर निकल जाएगी। ये अभी करीब 80 लाख करोड़ है। साथ ही, डायरेक्ट इक्विटी होल्डिंग्स 250 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचेंगी, जो अभी 35 लाख करोड़ से कुछ ही ज्यादा है। तब तक देश में म्यूचुअल फंड्स की पहुंच 20त हो जाएगी, जो अभी करीब 10त ही है। ऐतिहासिक आंकड़े बताते हैं कि 5-7 साल की लंबी अवधि का इन्वेस्टमेंट होराइजन निवेशकों को बाजार के उतार-चढ़ाव से निपटने और चक्रवृद्धि ब्याज की ताकत का लाभ उठाने में मदद कर सकता है। एक स्टडी के मुताबिक भारतीय इक्विटी फंड्स ने सभी एसेट क्लास से बेहतर प्रदर्शन करते हुए 20 वर्षों में 16 फीसदी दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक निवेश के तरीके में बदलाव से आगामी वर्षों में 7 लाख नई नौकरियां पैदा होंगी। घरेलू पैसा बढ़ने से शेयर बाजार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के आने-जाने से कम प्रभावित होगा।

## पीएनबी सहित 6 बैंकों ने घटाई होम-लोन की ब्याज दरें, इंटरेस्ट रेट 7.10 फीसदी से शुरू

**नई दिल्ली. एजेंसी**

रिजर्व बैंक के रेपो रेट में 0.25 फीसदी की हालिया कटौती का असर दिखने लगा है। 6 बड़े बैंकों ने होम लोन की ब्याज दरों में 0.25 फीसदी तक कटौती की है। एचडीएफसी बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, इंडियन बैंक, बैंक ऑफ इंडिया और बैंक ऑफ महाराष्ट्र इनमें शामिल हैं। नई कटौती के चलते होम लोन की सालाना ब्याज दर 7.10 फीसदी के निचले स्तर तक आ गई है।आरबीआई ने 5 दिसंबर को रेपो रेट 5.50 फीसदी से घटाकर 5.25 फीसदी कर दिया था। इससे बैंकों की फंड लागत घट गई है। इसका फायदा वे लोन सस्ता करके अपने-अपने ग्राहकों को दे रहे हैं। आपको होम लोन किस ब्याज दर पर मिलेगा ये आपके क्रेडिट स्कोर, लोन-टू-वैल्यू रेशियो, लोन अमाउंट और टेन्योर जैसी बातों पर निर्भर करती हैं। ऐसे में मान लीजिए पहले आपके लिए बैंक की होम लोन ब्याज दर 8 फीसदी थी जो 0.25 फीसदी की कटौती के बाद 7.75 फीसदी रह जाएगी। कटौती के बाद 20 साल के 20 लाख के लोन पर ईएमआई 310 रुपए तक घट जाएगी। इसी तरह 30 लाख के लोन पर ईएमआई 465 रुपए तक घटेगी। नए व मौजूदा ग्राहकों दोनों को इसका फायदा मिलेगा। कई बैंक समय से पहले लोन अदा करने पर पेनल्टी लगाते हैं। ऐसे में बैंकों से इस बारे में पूरी डिटेल ले लें, क्योंकि समय से पहले लोन अदा करने पर बैंकों को उम्मीद मुताबिक कम ब्याज मिलता है।

## आईपीएल 2026 : 2 करोड़ बेस प्राइस में सिर्फ दो भारतीय, अय्यर व बिश्नोई

**कोलकाता नाइट राइडर्स ने खर्च किए सबसे ज्यादा 64.30 करोड़ रुपए**

**नईदिल्ली. एजेंसी**

आईपीएल 2026 का मिनी ऑक्शन 16 दिसंबर को अबू धाबी में दोपहर 2:30 बजे से शुरू होगा और ठीक उससे पहले बीसीसीआई ने खिलाड़ियों की जो फाइनल लिस्ट जारी की है, उसने माहौल पूरी तरह गर्म कर दिया है। 1390 रजिस्टर्ड खिलाड़ियों में से 350 को शॉर्टलिस्ट किया गया है-इनमें 240 भारतीय और 110 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। इस बार की लिस्ट में सबसे बड़ा फोकस बेस प्राइस 2 करोड़ ब्रैकेट पर है, जहां सिर्फ दो भारतीय नाम देखकर फैंस भी थोड़ा शॉक्ड हैं। वे दोनों खिलाड़ी हैं रवि बिश्नोई और वेंकटेश अय्यर। इंडियन फ्रेंचाइजियों ने इन दोनों में सालों से लगातार पोटेंशियल देखा है और शायद इसलिए दोनों ने खुद का वैल्यूएशन सीधे टॉप कैटेगरी में रखा है। इसके साथ विदेशी दिग्गजों की लिस्ट इतनी लंबी है कि सिर्फ उनके नाम ही

ऑक्शन रूम को तनाव में डालने के लिए काफी हैं-कैमरन ग्रीन, लियाम लिविंगस्टोन, राचिन रविंद्र, डेवन कॉन्वे, एनरिक नॉर्त्जे, गेराल्ड कोएत्ज़ी, महीश तीक्षणा और वानिंदु हसरंगा जैसे टॉप-टियर खिलाड़ी इसी ब्रैकेट में शामिल हैं। इस नीलामी को लेकर एक और दिलचस्प बात यह है कि फ्रेंचाइजियों की मांग पर 35 खिलाड़ियों को बाद में जोड़ा गया-यानी टीमों ने बेहद टार्गेटेड रिक्वेस्ट भेजीं। इनमें क्विंटन डी कॉक, दुनिथ वेलालागे और जॉर्ज लिंडे जैसे नाम खास तौर पर चर्चा में रहे। ये मूव साफ दिखाता है कि टीमों का फोकस इस बार 'रोल-स्पेसिफिक स्क्वाड बिल्डिंग' पर है, न कि सिर्फ ग्लैमरस नाम खरीदने पर। नीलामी का स्ट्रक्चर भी पहले जैसा ही रहेगा-पहले कैप्ड खिलाड़ियों के सेट लगेंगे, जहां बल्लेबाज, ऑलराउंडर, विकेटकीपर-बल्लेबाज, पेसर और स्पिनर क्रम से पेश होंगे। इसके बाद आएगी अनकैप्ड खिलाड़ियों की बारी, जहां भारत के युवा रणजी, सैयद मुश्ताक अली और इंडिया ए के लगातार चमकते नाम किस्मत आज़माएंगे। 70 खिलाड़ियों के बाद एक्सेलरेटेड राउंड शुरू होगा जहां फ्रेंचाइजियां बिजली की स्पीड से बिड लगाती हैं। 10 टीमों के पास कुल 77 स्लॉट खाली हैं-इनमें 31 विदेशी स्लॉट शामिल हैं। सबसे ज्यादा स्लॉट कोलकाता नाइट राइडर्स, चेन्नई सुपर किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद के पास हैं तीनों को कई पोजिशन भरनी हैं।

## रितिक ने पुरुष जूडो में तीसरा केआईयूजी स्वर्ण जीता

### सौ किग्रा वर्ग में यश को हराया

**उदयपुर।** रितिक ने यश घांघस को हराकर खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स (केआईयूजी) राजस्थान में जूडो पुरुष 100 प्लस किग्रा वर्ग में तीसरा स्वर्ण पदक जीता। उनके खाते में इससे पहले एक कांस्य पदक भी शामिल है। यह जीत इसलिए भी खास थी क्योंकि कुछ दिन पहले ही रितिक को हांगकांग में एशियन ओपन चैम्पियनशिप में पहले ही दौर में हार का सामना करना पड़ा था। लेकिन वे उस निराशा में डूबने के बजाय सीधे उदयपुर पहुंचे और विदेशी दौरे से मिली सीख को अपनी रणनीति और मानसिक मजबूती में बदलते हुए शांत, संयमित और प्रभावी खेल दिखाया। फाइनल में उन्होंने अपने पुराने प्रतिद्वंद्वी यश घांघस को हराकर खिताब अपने नाम किया। उदयपुर के अटल बिहारी वाजपेयी इंडोर हॉल में अपने चौथे केआईयूजी में लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू) का प्रतिनिधित्व करते हुए रितिक ने स्वर्ण पदक जीता है।

## दिया और मानुष की जोड़ी करेगी भारत का प्रतिनिधित्व

**हांगकांग. एजेंसी**

दिया चितले और मानुष शाह की जोड़ी बुधवार से यहां शुरु हो रहे डब्ल्यूटीटी फाइनल 2025 प्रतियोगिता के मिश्रित युगल में भारत का प्रतिनिधित्व करेगी। हांगकांग में डब्ल्यूटीटी फाइनल 2025 ग्लोबल डब्ल्यूटीटी सीरीज का समापन है, जिसमें साल के केवल शीर्ष रैंक वाले खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। सीजन की इस आखिरी प्रतियोगिता में केवल 16 सर्वश्रेष्ठ पुरुष और महिला एकल टेबल टेनिस खिलाड़ी, साथ ही शीर्ष आठ मिश्रित युगल जोड़ियां हिस्सा लेंगी। दिया और मानुष, दोनों मौजूदा नेशनल टेबल टेनिस चैंपियन हैं, उन्होंने इस साल की शुरुआत में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रतिष्ठित डब्ल्यूटीटी फाइनल के लिए क्वालिफाई किया था। इस भारतीय जोड़ी ने डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर ब्राजील में एक ऐतिहासिक मिश्रित युगल स्पर्धा का रजत पदक जीता था।

**मनोरंजन**

## बॉलीवुड का कोना

### मलाइका बोलीं- तलाक और अफेयर के कई मामलों में महिलाओं को ही करते हैं जज

मलाइका अरोड़ा ने कहा कि तलाक, रिलेशन या अफेयर के मामलों में हमेशा महिलाओं को ही जज किया जाता है, जबकि पुरुषों से ऐसे सवाल कम पूछे जाते हैं। उन्होंने कम उम्र की लड़कियों से शादी करने वाले पुरुषों पर भी तंज किया। मलाइका ने 1998 में अरबाज खान से शादी की थी, लेकिन 2018 में दोनों अलग हो गए। तलाक के बाद मलाइका अर्जुन कपूर संग रिश्ते में रहीं, जबकि अरबाज ने शूरा खान से दूसरी शादी कर ली। हाल ही में मलाइका ने कहा कि तलाक या अफेयर को लेकर हमेशा लड़कियों को ही जज किया जाता है, जबकि पुरुषों पर ऐसे सवाल नहीं उठते। उन्होंने बिना नाम लिए कम उम्र की लड़कियों से शादी करने वाले पुरुषों पर भी टिप्पणी की। एक इंटरव्यू में मलाइका ने कहा कि महिलाओं को हमेशा मजबूत बनने की कसौटी पर परखा जाता है और लोग हर हाल में अपनी राय बनाते रहते हैं। मलाइका बोली जब कोई पुरुष तलाक लेकर अपनी जिंदगी में आगे बढ़ता है या अपने से काफी छोटी उम्र की लड़की से शादी करता है, तो समाज उसकी तारीफ करता है। लेकिन वही कदम अगर कोई महिला उठाए तो उसे सवालों और आलोचनाओं का सामना करना पड़ता है। महिलाओं को लेकर बनी रूढ़िवादी सोच अब भी खत्म नहीं होती और उन्हें लगातार जज किया जाता है। मलाइका ने बताया कि जब उन्होंने 25 साल की उम्र में शादी करने का फैसला किया तो उनकी मां बेहद हैरान रह गई थीं। उनकी मां हमेशा कहती थीं पहले जिंदगी को खुलकर जियो, बाहर जाओ, एक्सपीरियंस लो और किसी भी पहले लड़के से शादी मत कर लेना जिसके साथ तुम डेट पर जाओ। लेकिन मलाइका कहती हैं कि उन्होंने ठीक वही किया, उन्होंने उसी पहले लड़के से शादी कर ली जिससे वो डेट पर गई थीं।

### बचपन को याद कर वरुण धवन बोले- अपने भाई के हाथ पर सिर रखकर सोता था

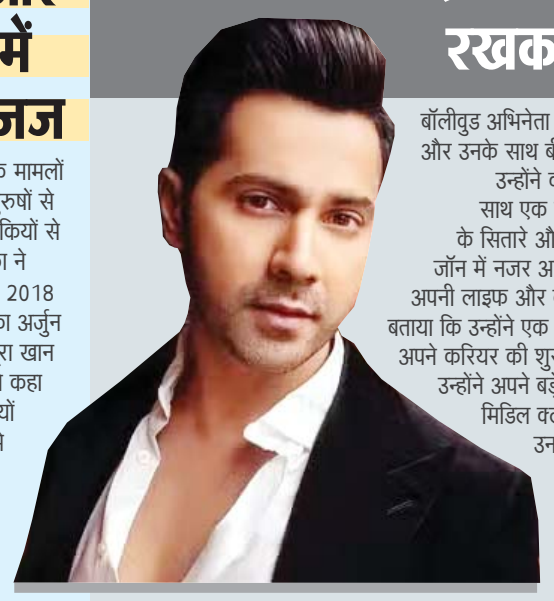

बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन ने अपने भाई और उनके साथ बीते बचपन को याद किया है। उन्होंने कहा कि वे बचपन में भाई के साथ एक ही कमरे में रहते थे। बॉलीवुड के सितारे और आज ही रिलीज हुई फिल्म बेबी जॉन में नजर आ रहे वरुण धवन ने हाल ही में अपनी लाइफ और बचपन की याद साझा की है। उन्होंने बताया कि उन्होंने एक वन बेडरूम फ्लैट में रहकर की, अपने करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने अपने बड़े भाई और परिवार के साथ एक मिडिल क्लास फैमली की तरह समय बिताया है। उनके माता पिता ने उनका बहुत ध्यान रख रही है। वरुण ने बताया कि उनका परिवार तब एक बेडरूम वाले फ्लैट में रहता था। मैं और मेरा भाई 7-8 की उम्र तक एक ही कमरे में रहते थे, जो हमारी जिंदगी का सबसे अच्छा समय था। हम साथ में सोते थे, मुझे अपने भाई के हाथ पर सिर रखकर सोने की आदत थी। एक यूट्यूब चैनल के साथ बातचीत में वरुण धवन से पूछा गया कि कि उन्होंने भी कभी गरीबी का सामना किया है। वरुण ने साझा किया, मेरे पिता जीवन में आगे बढ़ गए हैं... वे कानपुर से मुंबई आए थे। हम एक बेडरूम के फ्लैट में रहते थे लेकिन वह गरीबी नहीं थी क्योंकि जिस तरह से मेरे माता-पिता ने मुझे पाला था... मैं एक सपनों की दुनिया में था।

**वरुण के जन्म पर खरीदी थी कार:** वरुण ने कहा, एक निर्माता से एक निर्देशक की जिंदगी अलग हो सकती है। मेरे पिता निर्देशक हैं और उस समय जब वे अपने करियर की शुरुआत कर रहे थे। वे निर्माता नहीं थे क्योंकि ये बहुत चिंता देता है।

### सलमान को अब मिला ऋतिक रोशन का साथ

सलमान खान और ऋतिक रोशन फिल्म इंडस्ट्री के दो सबसे बड़े और चमकते सितारे हैं। दोनों दशकों से कई हिट प्रोजेक्ट्स का हिस्सा रहे हैं, लेकिन उन्हें कभी भी स्क्रीन शेयर करने का मौका नहीं मिला। हालांकि, अब ऐसा लगता है कि दर्शकों को दोनों कलाकारों को पर्दे पर किसी प्रोजेक्ट में साथ देखने का मौका मिल सकता है और इसको आसान बनाने के पीछे अली अब्बास जफर का हाथ है। ऋतिक रोशन ने 1995 में अपने पिता राकेश रोशन द्वारा निर्देशित

सलमान खान और शाहरुख खान की फिल्म करण अर्जुन में बतौर सहायक निर्देशक काम किया था। 'कहो ना प्यार है' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत करने से पहले उन्होंने सलमान के साथ ट्रेनिंग भी ली थी, लेकिन किस्मत से उन्होंने कभी भी स्क्रीन पर साथ काम नहीं किया। भले ही दोनों अभिनेता एजेंट टाइगर और एजेंट कबीर के रूप में वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा हैं, लेकिन उन्होंने अभी तक शाहरुख खान और सलमान खान जैसे क्रॉसओवर सीन नहीं किए हैं। हालांकि, अब यह सब बदल सकता है। रिपोर्ट्स के अनुसार, सलमान खान और ऋतिक रोशन पहली बार एक्शन से भरपूर विज्ञापन फिल्म के लिए साथ आने वाले हैं। बताया गया कि बड़े पर्दे पर साथ काम करने की तमाम कोशिशों के बाद एक कॉरपोरेट दोनों सुपरस्टार्स को एक्शन से भरपूर विज्ञापन के लिए साथ लाया है। विज्ञापन फिल्म का निर्देशन अली अब्बास जफर करेंगे और यह जल्द ही ऑन एयर होगी।

# पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी का दौर...

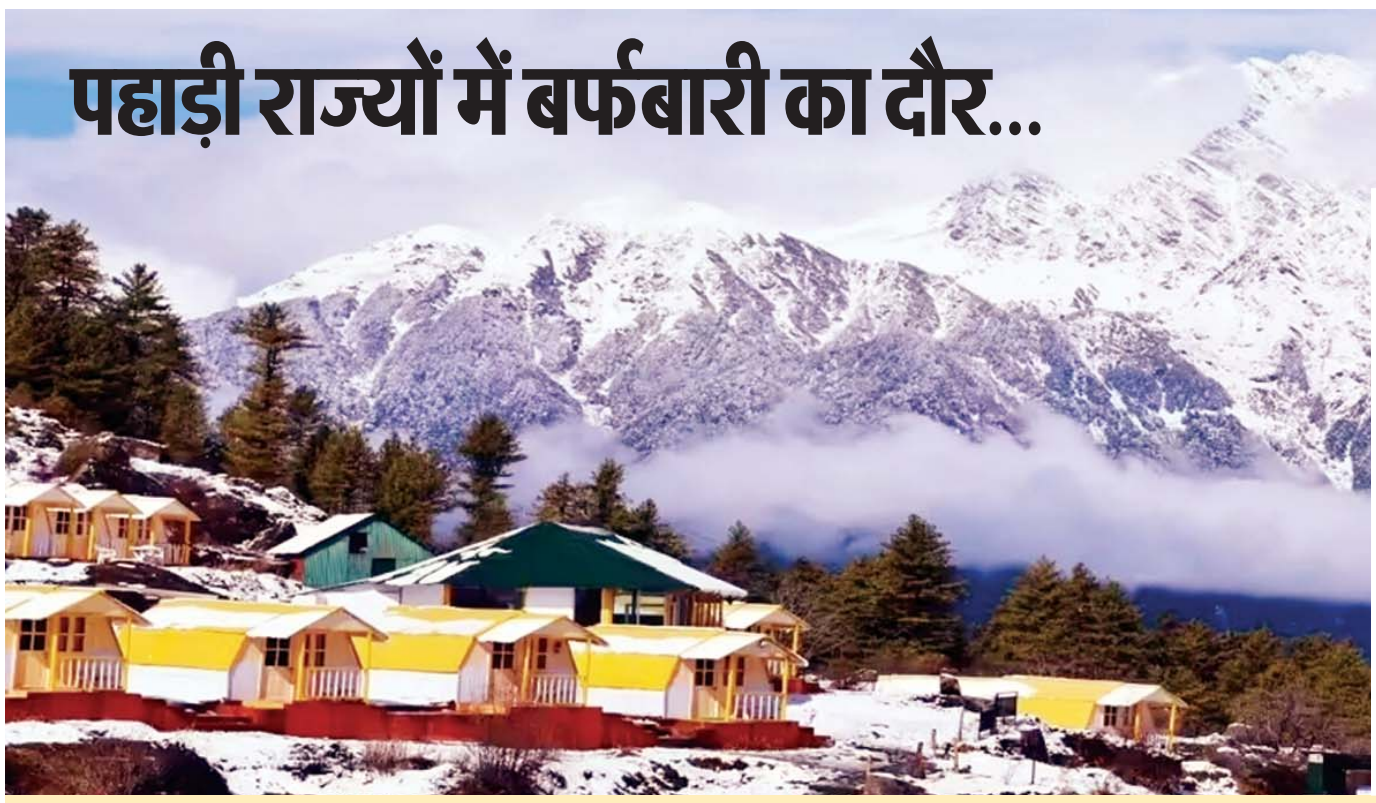

## उत्तराखंड में बर्फ से बन गया 10 फीट ऊंचा शिवलिंग

**नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ।** पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी का दौर जारी है। उत्तराखंड के चमोली जिले में भी पिछले 2 दिनों में बड़ी मात्रा में बर्फबारी हुई है। इसके चलते चीन सीमा से सटे टिम्मरसैंण महादेव में 10 फीट ऊंचा शिवलिंग बन गया है, जो अमरनाथ की गुफा के बाबा बर्फानी जैसा दिख रहा है। पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी के बीच मैदानी इलाकों में सर्दी बढ़ने लगी है। मध्य प्रदेश में अगले 2 दिन शीतलहर का अलर्ट है। बीती रात प्रदेश में सबसे कम तापमान शहडोल के कल्याणपुर में 4.7 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं, इंदौर समेत 25 शहरों में पारा 10 डिग्री से कम रहा। वहीं, राजस्थान में कड़ाके की सर्दी पड़ रही है। प्रदेश में 10 दिसंबर तक कोल्ड वेव का असर रहेगा। मंगलवार को राज्य के 18 से ज्यादा शहरों में न्यूनतम तापमान सिंगल डिजिट में रहा। सबसे कम तापमान फतेहपुर में 3.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इधर उत्तर प्रदेश में बाराबंकी, गोंडा समेत 20 जिलों में आज सुबह भी घना कोहरा छाया रहा। कई जगहों पर विजिबिलिटी शून्य रही। वहीं, बिहार के 10 जिलों में भी कोहरे से विजिबिलिटी जीरो रही। हिमाचल के लाहौल स्पीति जिले के शिंकुला दर्रा में बर्फबारी हुई। शिंकुला टॉप पर 6 इंच तक बर्फ पड़ी।

## न्यूज विंडो

### गुजरात के कच्छ जिले में भूकंप के जोरदार झटके

**गांधीनगर।** गुजरात के कच्छ ज़िले में बीती देर रात एक बार फिर भूकंप के झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार इस भूकंप की तीव्रता 3.7 मापी गई है जो हल्के से मध्यम श्रेणी का माना जाता है। भूकंप के ये झटके देर रात महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र कच्छ क्षेत्र में ही था। चूंकि कच्छ इलाका पहले भी विनाशकारी भूकंप झेल चुका है इसलिए रात के समय आए इन झटकों से इलाके के लोगों में एक बार फिर दहशत फैल गई और कई लोग घरों से बाहर निकल आए। स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों ने बताया कि इस भूकंप की तीव्रता अपेक्षाकृत कम थी। फिलहाल जान-माल के किसी भी तरह के नुकसान या किसी बड़ी क्षति की कोई खबर नहीं है। कच्छ क्षेत्र सिस्मिक ज़ोन में आता है जहां अक्सर हल्के-फुल्के भूकंप के झटके महसूस होते रहते हैं जो कि इस क्षेत्र के लिए सामान्य प्रक्रिया है।

### काशी विश्वनाथ मंदिरः नए साल पर ऑनलाइन बुकिंग पर रोक

**लखनऊ।** नए साल पर काशी जा रहे श्रद्धालुओं के लिए महत्वपूर्ण सूचना है। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में 31 दिसंबर से 2 जनवरी तक आरती और दर्शन की ऑनलाइन टिकट बुकिंग उपलब्ध नहीं होगी। भारी भीड़ की आशंका को देखते हुए मंदिर प्रशासन ने यह निर्णय पहले ही ले लिया है। मंदिर प्रशासन के अनुसार, आने वाले पूरे एक महीने तक आरती के सभी ऑनलाइन स्लॉट पूरी तरह बुक हो चुके हैं। सिर्फ 7 जनवरी के लिए करीब 70 टिकट उपलब्ध हैं, जो भी अगले कुछ घंटों में बुक होने की संभावना है। मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्वभूषण मिश्र ने बताया कि काशी विश्वनाथ धाम बनने के बाद से हर साल 31 दिसंबर से 2 जनवरी के बीच आने वाली भीड़ को देखते हुए ऑनलाइन बुकिंग अस्थायी रूप से रोक दी जाती है। इस बार भी वही व्यवस्था लागू की गई है। उन्होंने बताया कि भीड़ की स्थिति के अनुरूप स्पर्श दर्शन को लेकर मौके पर ही निर्णय लिया जाएगा।

### नैनीताल में खाई में गिरी गाजियाबाद के पर्यटकों की कार

**नैनीताल।** मुक्तेश्वर से भवाली की ओर लौट रहे गाजियाबाद के पर्यटकों की कार देर रात गागर के समीप करीब 50 मीटर गहरी खाई में गिर गई। हादसे में मामा-भांजी की मौत हो गई। परिवार के छह सदस्य घायल हो गए। दुर्घटना मंगलवार रात करीब 12 बजे घटी। प्लाट नंबर पांच, शिवपुरी सेक्टर-नौ, न्यू विजय नगर, गाजियाबाद (उप्र) के सचिन पुत्र विजेंद्र चौधरी एक्सयूवी-700 कार (यूपी 14 एफके 1616) से अपने भाई व बहन के परिवार के साथ मुक्तेश्वर घूमने आए थे। देर रात सभी मुक्तेश्वर से लौट रहे थे। मल्ला रामगढ़ में गागर के समीप सचिन कार से नियंत्रण खो बैठे। कार खाई में गिरते ही चीख पुकार मच गई। स्थानीय व्यक्ति की सूचना पर पहुंची भवाली कोतवाली पुलिस व एसडीआरएफ ने घायलों को खाई से निकाला। सभी को सीएचसी रामगढ़ पहुंचाया गया। अस्पताल पहुंचने से पहले सचिन व उनकी उनकी 12 वर्षीय भांजी लक्ष्मी ने दम तोड़ दिया।

हादसे में सचिन के भाई नितिन (32), बहन रुचि (39), नितिन की पत्नी कंचन (26) व पुत्री शामा(8), विकास की पुत्री निष्ठा (14) व पुत्र लव(11) घायल हो गए। जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद बुधवार सुबह हल्द्वानी रेफर किया गया है।

## बांग्लादेशी और रोहिंग्या पर बड़ी कार्रवाई शुरू

# अवैध घुसपैठियों पर सख्त हुई योगी सरकार, बनेगी बायोमैट्रिक प्रोफाइल

**लखनऊ, एजेंसी**

उत्तर प्रदेश सरकार ने अवैध घुसपैठियों के खिलाफ अब तक का सबसे कड़ा और फूलप्रूफ प्लान तैयार कर लिया है। प्रदेश में पकड़े जाने वाले हर घुसपैठिए की बायोमैट्रिक प्रोफाइल अनिवार्य रूप से बनाई जाएगी। इन सभी के नाम 'निगेटिव लिस्ट' में दर्ज होंगे, जिसे केंद्र सरकार के साथ-साथ देश के सभी राज्यों के साथ तत्काल शेयर किया जाएगा।

इसका सीधा मतलब यह है कि एक बार पकड़े गए और डिपोर्ट किए गए घुसपैठिए अगर दोबारा भारतीय सीमा में घुसते हुए पकड़े गए, तो उन्हें किसी भी राज्य में कोई राहत या पनाह नहीं मिलेगी। सीधे जेल भेजा जाएगा और कानूनी कार्रवाई तेज कर दी जाएगी।

### डिटेंशन सेंटर में हाई सिक्योरिटी

प्रदेश में बनने वाले डिटेंशन सेंटरों को हाई सिक्योरिटी जोन की तरह तैयार किया जा रहा है। अधिकारियों का दावा है कि इन केंद्रों की निगरानी इतनी सख्त होगी कि 'वहां परिंदा भी पर नहीं मार सकेगा'। हर डिटेंशन सेंटर में हाई-रेजोल्यूशन सीसीटीवी, बायोमैट्रिक एक्सेस कंट्रोल और 24म7 सशस्त्र गार्ड तैनात रहेंगे। यह कवायद मुख्य रूप से नेपाल और बांग्लादेश सीमा से अवैध रूप से घुसने वालों को निशाना बनाएगी। पिछले कुछ वर्षों में प्रदेश के कई जिलों, खासकर सीमावर्ती इलाकों में बड़ी संख्या में ऐसे लोग पकड़े गए हैं, जो फर्जी दस्तावेजों के सहारे बस गए थे। गृह विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, 'बायोमैट्रिक डेटा और निगेटिव लिस्ट से घुसपैठिए एक बार पकड़े जाने के बाद दोबारा भारत में पनाह लेना लगभग नामुमकिन हो जाएगा। यह डेटाबेस रियल टाइम में अपडेट होगा और इंटेलिजेंस एजेंसियों के साथ भी शेयर किया जाएगा।' सरकार जल्द ही इन डिटेंशन सेंटरों को चालू करने की समय-सीमा भी तय करने वाली है। इसके लिए कुछ जिलों में जमीन चिन्हित कर ली गई है और निर्माण कार्य शुरू होने की तैयारी है। इस कदम को राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से बेहद अहम माना जा रहा है। साथ ही अवैध घुसपैठ से जुड़े अपराधों पर भी लगाम लगने की उम्मीद है।

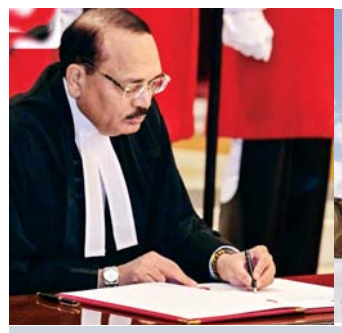

### सीजेआई सूर्यकांत बनने लगे निशाना तो 44 पूर्व जज आए सपोर्ट में

भारतीय न्यायालयों के पूर्व न्यायाधीशों के एक समूह ने रोहिंग्या प्रवासियों से संबंधित मामले में हालिया सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश (CJI) जस्टिस सूर्यकांत की टिप्पणियों को लेकर उनके खिलाफ चलाए जा रहे 'अभियान' की कड़ी निंदा की है। सेवानिवृत्त न्यायाधीशों ने एक सार्वजनिक बयान जारी करते हुए कहा है कि सुप्रीम कोर्ट का अपमान अस्वीकार्य है। यह बयान 5 दिसंबर को जारी एक खुले पत्र के जवाब में आया है, जिसमें न्यायिक पूछताछ को पूर्वाग्रह के रूप में बताया गया था और न्यायपालिका को अवैध ठहराने का प्रयास किया गया था। अब 44 पूर्व जजों ने एक संयुक्त बयान में कहा, 'पांच दिसंबर को कुछ पूर्व न्यायाधीशों, वकीलों और न्यायिक जवाबदेही एवं सुधार अभियान (सीजेएआर) द्वारा एक खुला पत्र जारी किया गया था। इसमें भारत में रोहिंग्या शरणार्थियों के हिरासत में लापता होने का आरोप लगाने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही उच्चतम न्यायालय की पीठ द्वारा दो दिसंबर को रोहिंग्या शरणार्थियों के बारे में की गई कुछ टिप्पणियों को लेकर गहरी चिंता जताई गई थी।'

### हाईवे पर इमरजेंसी लैंडिंग के दौरान कार से टकराया प्लेन

वाशिंगटन। अमेरिका के फ्लोरिडा में उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब एक छोटा प्राइवेट प्लेन का इंजन फेल होने के बाद इमरजेंसी लैंडिंग करने की कोशिश करने लगा। इस दौरान प्लेन ने तेज रफ्तार कार को टक्कर मार दी। इस भयावह हादसे का वीडियो कैमरे में कैद हो गया। जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। ब्रेवार्ड काउंटी फायर रेस्क्यू के अनुसार, सिंगल-इंजन सेसना 152 प्लेन में दो लोग सवार थे। इंजन फेल होने के बाद पायलट हाईवे पर लैंडिंग का प्रयास कर रहा था, इसी दौरान उसकी प्लेन चलती टोयोटा कैमरी से टकरा गई। इस घटना में कार सवार 57 वर्षीय महिला ड्राइवर को मामूली चोटें आईं और उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया।

**वीडियो वायरलः** गनीमत रही कि प्लेन में सवार पायलट और पैसेंजर दोनों पूरी तरह सुरक्षित बच गए। वहीं, इस घटना का पूरा मंजर कैमरे में कैद हो गया। जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में आप देख सकते हैं, कि फ्लोरिडा के ब्रेवार्ड काउंटी में हाईवे पर एक प्लेन आपातकालीन लैंडिंग का प्रयास कर रहा है।

# दिल्ली की सुरक्षा के लिए स्वदेशी एयर डिफेंस सिस्टम होगा तैनात

**नई दिल्ली, एजेंसी**

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) की हवाई सुरक्षा को मजबूत करने के लिए भारत जल्द ही अपना स्वदेशी मल्टीलेयर्ड इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस वेपन सिस्टम (आईएडीडब्लयूएस) तैनात करेगा, जो दुश्मन के मिसाइल, ड्रोन और तेज गति से उड़ने वाले लड़ाकू विमानों जैसे सभी हवाई खतरों से दिल्ली को सुरक्षा प्रदान करेगा। वरिष्ठ रक्षा सूत्रों के अनुसार, यह प्रणाली देश में विकसित क्विक रिएक्शन सर्वेस-टु-एयर मिसाइल (क्यूआरएसएएम), वेरी शॉर्ट रेंज एयर डिफेंस सिस्टम (वीएसएचओआरएडीएस) और अन्य उन्नत उपकरणों पर आधारित होगी।

आईएडीडब्लयूएस का उद्देश्य दिल्ली और उसके आसपास के संवेदनशील ठिकानों को बहु-स्तरीय सुरक्षा ढाल प्रदान करना है।

**पाकिस्तान ने दिल्ली को निशाना बनाने की कोशिश की थीः** रक्षा मंत्रालय ने इस परियोजना को ऐसे समय में आगे बढ़ाया है जब इस वर्ष मई में पाकिस्तान ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारत को निशाना बनाने की कोशिश की थी। ऐसे में दिल्ली को सुरक्षित रखने के लिए स्वदेशी प्रणाली की तैनाती को रणनीतिक रूप से अहम कदम माना जा रहा है। भारत पहले अमेरिकी एनएएसएएमएस-II प्रणाली को खरीदने की योजना बना चुका था, जिसका उपयोग अमेरिका वॉशिंगटन डीसी और व्हाइट हाउस की सुरक्षा के लिए करता है। दोनों देशों के बीच बातचीत भी शुरू हो गई थी, लेकिन अमेरिकी पक्ष की ओर से बहुत अधिक कीमत मांगे जाने के कारण भारत ने यह सौदा आगे नहीं बढ़ाया।'

# राजस्थानः खाटू श्याम जा रहे यात्रियों की बस सीकर में ट्रक से भिड़ी

**जयपुर, एजेंसी**

राजस्थान में 50 यात्रियों से भरी एक बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे में 3 यात्रियों की मौत हो गई और 28 लोग घायल हैं। बस में सभी तीर्थयात्री सवार थे, जो वैष्णो देवी से यात्रा करके लौटे थे और खाटू श्याम के दर्शन करने जा रहे थे।

**तीन की मौत और 28 घायल**

यह हादसा राजस्थान में जयपुर-बीकानेर हाईवे के पास रात लगभग 11 बजे हुआ। फतेहपुर के पास बस अचानक ट्रक से टकरा गई। यह टक्कर इतनी भीषण थी कि 3 यात्रियों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार यह एक स्लीपर बस थी, जिसमें लगभग 50 यात्री सवार थे। हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई और 28 लोग घायल हैं। वहीं, 7 लोगों की हालत गंभीर है।

बस में सवार सभी लोग गुजरात के वलसाड से ताल्लुक रखते हैं। वैष्णो देवी से यात्रा करके लौटे सभी लोगों ने खाटू श्याम जाने का फैसला किया। बस बीकानेर से जयपुर की तरफ जा रही थी, तभी झुनझुनु से आ रही एक ट्रक बीकानेर के पास ही बस से टकरा गई।

## मेट्रो एंकर

### थाईलैंड-कंबोडिया की ताजा झड़प पर फिर बोले बड़बोले ट्रंप

# हम ताकत के दम पर शांति ला रहे, एक फोन से रुकवा दूंगा जंग

**वाशिंगटन , एजेंसी**

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ने कहा कि वह एक फोन कॉल करके थाईलैंड और कंबोडिया के बीच जारी संघर्ष को रोक देंगे। उन्होंने यह भी कहा कि वह ताकत के दम पर शांति स्थापित कर रहे हैं। ट्रंप ने एक बार फिर दोहराया कि उन्होंने दस महीनों के भीतर आठ संघर्ष खत्म करवाए हैं। इनमें कोसोवा-सर्बिया, भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष भी शामिल हैं। ट्रंप ने कहा, ये देश आपस में भिड़ रहे थे। इस्राइल और ईरान, मिस्र और इथियोपिया। आर्मेनिया और अजरबैजान। मुझे यह कहते हुए अच्छा नहीं लग रहा, लेकिन कंबोडिया और थाईलैंड ने आज फिर शुरुआत कर दी है। मैं एक फोन कॉल करूंगा और दो बहुत ताकतवर देशों थाईलैंड और कंबोडिया के बीच जारी संघर्ष को रोक दूंगा। वे फिर से लड़ रहे हैं। लेकिन मैं यह कर दूंगा। हम ताकत के दम पर शांति बना रहे हैं। थाईलैंड के सुरिन इलाके में मंगलवार को हालात और बिगड़ गए, जब कंबोडिया के ताकतवर नेता और सीनेट अध्यक्ष हुन सेन ने स्पष्ट कहा कि उनका देश थाईलैंड का मुकाबला करेगा। दोनों देशों के बीच दूसरे दिन भी गोलाबारी हुई, जिसकी वजह से सीमा से सटी बस्तियों से बड़ी संख्या में लोग पलायन कर रहे हैं। ताजा संघर्ष की शुरुआत रविवार को हुई, जब एक झड़प में दो थाई सैनिक घायल हुए। इसके साथ ही जुलाई में हुए संघर्ष को रोकने के लिए लागू शांति समझौता टूट गया। जुलाई के संघर्ष में दोनों तरफ कई लोगों की मौत हुई थी और एक लाख से ज्यादा लोगों को सुरक्षित जगहों पर ले जाना पड़ा था।

थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन चार्नविराकुल ने मंगलवार को कहा कि कंबोडिया ने अब तक बातचीत के लिए कोई संपर्क नहीं किया है और हालात ऐसे ही बने रहेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार पहले से तय सैन्य योजना पर ही काम करेगी और देश की संप्रभुता सुरक्षित रखने के लिए कदम उठाएगी। इधर, कंबोडिया के हुन सेन ने सोशल मीडिया पर लिखा कि उनके देश ने सोमवार को जवाब नहीं दिया था, लेकिन रात में थाई हमलों के खिलाफ पलटवार शुरू किया। उन्होंने कहा कि कंबोडिया शांति चाहता है लेकिन अपनी जमीन की रक्षा के लिए लड़ने को मजबूर है। 2023 में पद छोड़ने के बाद प्रधानमंत्री की कुर्सी उन्होंने अपने बेटे हुन मानेट को सौंप दी थी, लेकिन देश में वह आज भी प्रभावशाली नेता माने जाते हैं। थाई सेना ने आरोप लगाया कि कंबोडिया ने मंगलवार को तोप, रॉकेट और ड्रोन से निशाना बनाया। थाईलैंड का कहना है कि रविवार और सोमवार को भी उस पर गोलीबारी की गई। दोनों दक्षिण पूर्व एशियाई देश दावा कर रहे हैं कि पहले हमला सामने वाले ने किया। कंबोडिया की सेना के मुताबिक, ताजा संघर्ष में सात नागरिक मारे गए और 20 घायल हुए हैं। वहीं थाई सेना का कहना है कि उनके तीन सैनिकों की मौत हुई है। थाईलैंड ने सोमवार को सीमा के पास हवाई हमले किए और कहा कि ऐसे अभियान तब तक जारी रहेंगे जब तक गोलाबारी बंद नहीं होती।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564